कार्तिक शुक्ल पक्ष -4, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 126 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
13 नवंबर 2026
शुक्रवार

आज का मौसम
30.5 अधिकतम
12.0 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो



Page-7

प्रशांति कुटीरम स्वर्ण जयंती समारोह ... आज एक मूवमेंट बना आयुर्वेद से इलाज

मोदी बोले- सदियों से योग का केंद्र कर्नाटक दुनिया को दिए कई योग गुरु और विद्वान

बेंगलुरु, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेंगलुरु में प्रशांति कुटीरम के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सदियों से योग का केंद्र रहा है। यहां कई योग गुरु और विद्वान हुए, जिन्होंने योग की परंपरा को आगे बढ़ाया। प्रधानमंत्री ने इसके बाद तवरेकेरे से आईआईएम बेंगलुरु मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो को हरी झंडी दिखाई और उसमें सफर भी किया।

इस मेट्रो रुट को करीब 3,470 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। यह नया हिस्सा बेंगलुरु में शहरी कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा, रोजमर्रा के सफर को आसान करेगा, यात्रा के वक्त को कम करेगा और सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं को मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री ने 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत फिर से विकसित किए गए चार रेलवे स्टेशनों- चामराजनगर, चिकमगलूरु, सकलेशपुर और सुब्रह्मण्य रोड का भी उद्घाटन किया। ये स्टेशन शहर के मुख्य केंद्रों के रूप में काम करेंगे, जिससे स्थानीय व्यावसायिक गतिविधियों और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। पीएम आज ही शाम को मैसूरु में वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल होंगे और कॉसमॉस-मैसूरु तारामंडल का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद गुजरात रवाना होंगे।

प्रशांति कुटीरम के समारोह में मोदी ने कहा कि विदेशों में 150 से ज्यादा आयुर्वेद कोर्स को मान्यता मिली है। आज दुनिया में आयुर्वेद से इलाज एक मूवमेंट बन गया है। उन्होंने कहा कि विदेशी मेहमानों और विश्व नेताओं के साथ लंच-डिनर के दौरान योग की चर्चा जरूर होती है। दुनिया के बड़े नेताओं के परिवारों में भी लोग योग सीखते और करते हैं। कतर की रॉयल फैमिली समेत कई विदेशी लोग योग के लिए समर्पित हैं। ऐसे लोगों को पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया है। विदेशों में 150 से ज्यादा आयुर्वेद कोर्स को मान्यता मिली है। आज आयुर्वेद इलाज दुनिया में एक मूवमेंट बन गया है। पीएम ने कहा कि जब देश आजादी की लड़ाई लड़ रहा था, तब स्वामी विवेकानंद भारत के युवाओं को योग सिखा रहे थे। उन्होंने समाज के लिए योग ट्रेनर तैयार किए। प्रशांति कुटीरम से विकसित एस-वीवायएएसए आज एक बड़ा संस्थान बन चुका है। प्रशांति कुटीरम की गोल्डन जुबली पर कई नई सुविधाओं की शुरुआत हुई है। इसके लिए उन्होंने एस-वीवायएएसए परिवार को बधाई दी।

बेंगलुरु में मेट्रो के नए रुट का उद्घाटन, बेहतर होगी कनेक्टिविटी



प्रशांति कुटीरम के स्वर्ण जयंती समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सम्मान।

प्रेरणा है शेषाद्री जी की विनम्रता

साथ ही शेषाद्री जी की जन्म शताब्दी पर उन्हें नमन किया। मोदी ने कहा कि शेषाद्री जी ने पूरा जीवन राष्ट्र निर्माण में लगा दिया। उन्होंने संघ में रहकर लोगों को तैयार किया। उनकी सादगी और विनम्रता से आज भी करोड़ों स्वयंसेवक प्रेरणा लेते हैं। वे कहते थे कि जिस तरह मां बिना स्वार्थ के बच्चे की सेवा करती है, उसी तरह हमें समाज की सेवा करनी चाहिए। कर्नाटक की धरती सदियों से योग का केंद्र रहा है। योग से जुड़े आचार्यों और विद्वानों ने यहां जन्म लिया है और योग की परंपरा को समृद्ध किया है।

एलपीजी स्टोरेज की सौगात

प्रधानमंत्री मंगलुरु में भारत के सबसे बड़े भूमिगत एलपीजी स्टोरेज कैवर्न यानी भंडारण गुफा को राष्ट्र को समर्पित करेंगे, जिसे 850 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत से बनाया गया है। 80 हजार मीट्रिक टन की स्टोरेज क्षमता वाली यह सुविधा भारत के एलपीजी स्टोरेज इंफ्रास्ट्रक्चर को काफी मजबूत करेगी। इस प्रोजेक्ट में 9.4 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन भी शामिल है, जो न्यू मंगलौर पोर्ट को मुख्य टर्मिनल से जोड़ती है। इससे गैस के ट्रांसपोर्टेशन और स्टोरेज में काफी आसानी होगी।

स्टेट बैंक लॉकर से पूर्व रेरा चेयरमैन की ज्वेलरी गायब बैंक ने अपना पल्ला झाड़ा

■ *हैंडल पर नहीं मिले फिंगरप्रिंट, बैंक ने कहा- अंदर क्या था, हमें नहीं पता*

भोपाल, दोपहर मेट्रो

डियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट परिसर स्थित एसबीआई ब्रांच के लॉकर से पूर्व रेरा चेयरमैन एपी श्रीवास्तव और उनकी बेटियों के सोने के गहने गायब हो गए। शुरुआती जांच में लॉकर के हैंडल पर फिंगरप्रिंट नहीं मिले हैं। पुलिस अब लॉकर को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजने और पिछले तीन महीने के सीसीटीवी फुटेज खंगालने की तैयारी कर रही है। बैंक का कहना है की लॉकर के अंदर क्या था, हमें नहीं पता। लॉकर बैन और ग्राहक दोनों की सयुक्त चाबियों से खुलता है ।



श्रीवास्तव की बेटी सुरभि हाल ही में दुबई से भोपाल आई थीं। गुरुवार दोपहर श्रीवास्तव उनके साथ आईआईएफएम परिसर स्थित एसबीआई की शाखा पहुंचे। उनह्यह्यह्यह्यका कहना है कि लॉकर की चाबी खोलते समय अटक रही थी। काफी कोशिश के बाद लॉकर खुला तो वह पूरी तरह खाली मिला। अंदर गहने नहीं थे। उन्होंने तुरंत बैंक प्रबंधन को इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची।



बैंक लॉकर से ज्वेलरी चोरी होने के बाद दस्तावेज खंगाले गए।

एपी श्रीवास्तव के मुताबिक, उन्होंने 13 दिसंबर 2024 को अपनी बेटियों सुरभि और श्रुति के साथ लॉकर नंबर 502 जॉइंट रूप से अलॉट कराया था। इसके लिए वे जीएसटी सहित सालाना 2,380 रुपए किराया देते थे। उनके पास लॉकर में रखे गहनों की तस्वीरें मौजूद हैं। हालांकि, उन्होंने अभी पुलिस को गायब गहनों की कुल कीमत नहीं बताई है। सूचना मिलने पर पहुंची फॉरेंसिक टीम को शुरुआती जांच में लॉकर के हैंडल पर फिंगरप्रिंट नहीं मिले। पुलिस अब पूरे लॉकर को फॉरेंसिक लैब भेजने की तैयारी कर रही है। जांच में पता लगाया जाएगा कि लॉक से छेड़छाड़ हुई थी या लॉकर किसी डुप्लीकेट चाबी से खोला गया था।

न्यूज विंडो

भारत को 334 का टागरेट, रोहित कोहली, अय्यर जीरो पर आउट

माउंट माउंगानुई, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे वनडे में टीम इंडिया बेहद कमजोर स्थिति में पहुंच गई है। 334 रन के टारगेट के जवाब में 10 ओवर में भारत ने 26 रन के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए हैं। ईशान किशन और अक्षर पटेल क्रीज पर हैं। भारत ने पहले ही ओवर में तीन विकेट गंवा दिए थे। पहला ओवर मैट हेनरी ने किया। रोहित शर्मा पहली गेंद पर आउट हो गए। विराट कोहली इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर आउट हुए। कप्तान श्रेयस अय्यर छठी गेंद पर पवेलियन लौटे। 52 साल के इतिहास में पहली बार भारतीय टीम ने पहले ओवर में 3 विकेट खोए हैं।



अलर्ट...मोदी के नाम पर दिवाली पर 8 हजार देने का मैसेज फर्जी

गांधीनगर, एजेंसी। गुजरात पुलिस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर दिवाली पर 8,000 रुपये देने वाले मैसेज को फर्जी बताया है। साइबर ठग सोशल मीडिया पर ऐसे मैसेज भेजकर लोगों को लिंक पर क्लिक करने और फर्जी वेबसाइट पर मोबाइल नंबर दर्ज करने के लिए कह रहे हैं। इसके बाद लोगों से यह मैसेज 5 वॉट्सएप या टेलीग्राम ग्रुप और 20 दोस्तों को भेजने को कहा जाता है।पुलिस के मुताबिक, लिंक के जरिए ठग वॉट्सएप का एक्सेस हासिल कर सकते हैं और फर्जी APK ऐप डाउनलोड करवाकर बैंकिंग जानकारी, ओटीपी और मैसेज चुरा सकते हैं। इससे बैंक खाते से पैसे निकाले जा सकते हैं।

शिवपुरी और ग्वालियर में आयोजन

लाड़ली बहनों के खाते में आई 42वीं किश्त

» पशुपालक सम्मेलन और मेले का उद्घाटन

ग्वालियर/ भोपाल , दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शिवपुरी के पिछोर से लाड़ली बहना योजना की 42वीं किस्त जारी कर रहे हैं । प्रदेश की 1 करोड़ 24 लाख 81 हजार 550 पात्र महिलाओं के बैंक खातों में 1,500 रुपये की राशि सिंगल क्लिक के जरिए ट्रांसफर की जाएगी। इसके तहत कुल 1,831 करोड़ 77 लाख रुपये से अधिक की राशि खातों में आएगी।

इस कार्यक्रम में बाद सीएम ग्वालियर जिले के ग्राम कुलैथ में विशाल पशुपालक सम्मेलन और पशु मेले का उदघाटन करेंगे । प्रदेश में मनाए जा रहे किसान कल्याण वर्ष में यह सम्मेलन उन्नत पशुपालन एवं कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित हो रहा है। भारतीय संस्कृति एवं ग्रामीण परंपराओं के अनुरूप कन्हैया लोकगीत, बैलगाड़ी दौड़ व घुड़दौड़ जैसे आयोजन इस सम्मेलन को उत्सव का स्वरूप प्रदान करेंगे। साथ ही पशुपालन पर केंद्रित प्रदर्शनी व उत्कृष्ट नस्लों के गोवंश व भैंसवंशी पशुओं का मेला भी मुख्य आकर्षण होंगे।

विदेश दौरे पर सिंगापुर-कोरिया के निवेशकों से सीएम करेंगे चर्चा

मुख्यमंत्री मोहन यादव 24 नवंबर से पांच दिन के विदेश दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे सिंगापुर और दक्षिण कोरिया जाएंगे। दोनों देशों में मुख्यमंत्री निवेशकों और औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।



इसमें उन्नत नस्ल के पशुओं का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। पशुपालकों को आधुनिक तकनीकों, बेहतर पशु प्रबंधन और पशुधन से आमदनी बढ़ाने के तरीकों से परिचित कराया जाएगा। इसके अलावा सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों और नई तकनीकों के इस्तेमाल की जानकारी दी जाएगी ।

12 दिन में सातवीं बार चुनौती

राहुल बोले- बहस के बाद मोदी पीएम नहीं रहेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी ने आज पीएम मोदी को बहस की चुनौती दोहराई। दावा किया कि उनके साथ आमने-सामने की बातचीत के बाद मोदी पद पर नहीं रहेंगे।इंस्टाग्राम पर 'आस्क मी' सत्र के दौरान उन्होंने कहा, 'भाजपा कहती है कि बातचीत संसद में हो सकती है, लेकिन मुझे संसद में बोलने नहीं दिया जाता। मेरा माइक्रोफोन तक बंद कर दिया जाता है।'राहुल ने कहा, 'आपने मुझे कृषि बिलों, वोट चोरी, एसआईआर, चीन, (जनरल) नरवणे की किताब, एपस्टीन पर बात नहीं करने दी। मैं आमने-सामने की बहस चाहता हूं। मैं लंबे भाषणों वाली बहस नहीं चाहता।'

कंपनी ने कहा-यह तकनीकी खराबी, ठीक कर रहे

माइक्रोसॉफ्ट का सर्वर 13 घंटे से ठप ईमेल बंद, दुनियाभर के यूजर्स परेशान

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की ईमेल सर्विस कल देर रात से अचानक ठप हो गई। इससे दुनियाभर में अफरातफरी मच गई है। सर्वर ठप हुए 13 घंटे बीत चुके लेकिन अब तक यह सही नहीं हो सका है। इसकी वजह से कई दिग्गज कंपनियों का कामकाज प्रभावित हो रहा है। आउटलुक और माइक्रोसॉफ्ट 365 के सर्वर ठप होने से भारत समेत दुनियाभर में इसके करोड़ों यूजर्स को परेशानी उठानी पड़ रही है। लोग मेल बॉक्स ओपन ही नहीं कर पा रहे। नए मेल भी किसी को नहीं भेज पा रहे हैं।



माइक्रोसॉफ्ट का कहना है, ये तकनीकी खराबी है। इससे कई क्षेत्रों में कनेक्टिविटी प्रभावित हो रही है। कंपनी इसे जल्द ठीक करने में जुटी हुई है। माइक्रोसॉफ्ट 365 ने इसे लेकर अपने एक्स हैंडल पर जारी बयान में कहा है कि ईमेल सर्विस में तकनीकी खराबी से दुनिया भर के करोड़ों दफ्तरों के कामकाज की रफ्तार थम गई है। आउटलुक में दिक्कत की शुरुआत ईस्टर्न टाइम के मुताबिक दोपहर 1 बजे हुई।

लेह आने-जाने पर 60 दिन तक रोक, लद्दाख परिषद चुनाव का विरोध करने वाले थे

वांगचुक का दावा- घर में नजरबंद, बाहर कई जवान तैनात

लेह, एजेंसी

क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने दावा किया कि पुलिस ने उन्हें नजरबंद कर दिया है। उन्होंने रात वीडियो जारी कर कहा कि उनके घर के बाहर भारी पुलिस और अर्धसैनिक बल तैनात है। पुलिस उन्हें घर से बाहर जाने नहीं दे रही है।

दूसरी तरफ लद्दाख पुलिस का कहना है कि यह हाउस अरेस्ट नहीं है। यह चुनाव के दौरान लागू निषेधाज्ञा का पालन है। वांगचुक और लद्दाख के संगठन 4 दिसंबर को होने वाले पहाड़ी परिषद चुनाव को सर्दियों में कराने का विरोध कर रहे हैं।



पुलिस ने एक दिन पहले ही वांगचुक को प्रदर्शन स्थल से हटाया था। इसके बाद पुलिस उन्हें उनके घर लेकर गई थी। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक एक आदेश में उनके लेह आने-जाने पर 60 दिन की रोक लगा दी गई है।

वांगचुक ने कहा कि वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल होने से रोकने के खिलाफ मजिस्ट्रेट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जाएंगे।

आज का कार्टून



मेट्रो एंकर

चेन्नई में 810 प्रतिभागियों ने एक साथ किया कराटे चॉप का प्रदर्शन

लकवे को दी मात... अब गिनीज रिकॉर्ड में आया त्रिपुरा के रयान का नाम

त्रिपुरा, एजेंसी

कभी-कभी जिंदगी इंसान के सामने ऐसी चुनौती खड़ी कर देती है, जहां आगे बढ़ने की उम्मीद भी मुश्किल नजर आने लगती है। लेकिन त्रिपुरा के कराटे खिलाड़ी रयान देव वर्मा ने अपनी उपलब्धि से साबित किया है कि गंभीर शारीरिक चुनौतियों के बावजूद खेल के मैदान तक पहुंचना संभव है। ब्रेन स्ट्रोक के बाद शरीर के बाएं हिस्से में लकवा होने के बावजूद रयान ने हार नहीं मानी और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराने वाली उपलब्धि हासिल की।

रयान देव वर्मा 16 अगस्त 2026 को तमिलनाडु के चेन्नई में आयोजित एक सामूहिक कराटे कार्यक्रम का हिस्सा बने थे। इस कार्यक्रम का आयोजन वर्ल्ड कराटे मास्टर्स एसोसिएशन यानी डब्ल्यूकेएमए, इंडिया की ओर से किया गया था। इसमें कुल 810 प्रतिभागियों ने एक साथ कराटे चॉप का प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने 'द मोस्ट पीपल परफॉर्मिंग कराटे चॉप्स सिमल्टेनियसली' यानी एक साथ सबसे अधिक लोगों द्वारा कराटे चॉप करने के रिकॉर्ड के रूप में मान्यता दी। इस उपलब्धि में शामिल सभी प्रतिभागियों की आयु 5 से 55 वर्ष के बीच थी। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार यह प्रदर्शन भारत के चेन्नई में 16 अगस्त 2026 को हुआ।इस रिकॉर्ड में शामिल होकर रयान देव वर्मा त्रिपुरा के पहले ऐसे व्यक्ति बने, जिन्हें राज्य से कराटे के सामूहिक प्रदर्शन में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की पहचान मिली। उन्हें इस उपलब्धि के लिए आधिकारिक प्रमाणपत्र भी प्रदान किया गया। रयान की इस उपलब्धि को खास बनाने वाली बात उनका खेल अनुभव और स्वास्थ्य संबंधी संघर्ष है। वे जापान कराटे एसोसिएशन से पांचवें डैन ब्लैक बेल्ट धारक हैं। इसके अलावा वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कराटे में स्वर्ण पदक भी जीत चुके हैं।



सोशल मीडिया पर आया संघर्ष

उनकी खेल यात्रा के बीच एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती आई। रयान को ब्रेन स्ट्रोक हुआ, जिसके कारण उनके शरीर के बाएं हिस्से में लकवा हो गया। इस स्थिति के बाद कराटे के क्षेत्र में आगे बढ़ना उनके लिए कठिन हो गया था। 12 नवंबर 2026 को अपनी उपलब्धि साझा करते हुए रयान ने सोशल मीडिया पर इस संघर्ष का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि ब्रेन स्ट्रोक और शरीर के बाएं हिस्से में लकवा होने के बाद उन्हें यह उपलब्धि हासिल करना लगभग असंभव लग रहा था। रयान ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी दिवंगत दादी के आशीर्वाद, पिता के सहयोग और शुभचिंतकों की प्रार्थनाओं तथा समर्थन को दिया। उन्होंने उन सभी लोगों के प्रति आभार जताया, जिन्होंने कठिन समय में उनका साथ दिया।

छठी मैया के स्वागत को तैयार शहर, 60 घाटों पर गूंजेंगे लोकगीत



भोपाल। दोपहर मेट्रो

दिवाली की रौनक के बाद शहर में अब चार दिनों तक लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की धूम रहेगी। 13 नवंबर से चार दिवसीय छठ महोत्सव की शुरुआत नहाय- खाय के साथ होगी। इसके लिए तालाबों, जलाशयों और छठ घाटों पर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। शहर में 60 घाटों पर श्रद्धालु सूर्यदेव और छठी मैया की आराधना करेंगे। घाटों की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा और पूजन के लिए वेदियां तैयार की जा रही हैं। भीड़ और अव्यवस्था से बचने के लिए कुछ स्थानों पर श्रद्धालुओं का अग्रिम पंजीयन भी किया जा रहा है।

शीतलदास की बगिया में जलेंगे 2100 दीप

भोजपुरी एकता मंच की ओर से शीतलदास की बगिया में मुख्य आयोजन किया जाएगा। मुख्य कार्यक्रम 15 नवंबर को डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ 2100 दीपदान और नौका विहार होगा। मंच के अध्यक्ष कुंवर प्रसाद ने बताया कि समिति के लिए छठ के लिए ठेकुआ पकवान बनाने के लिए संकटमोचन हनुमान मंदिर कमला पार्क प्रांगण में शुक्रवार को नि:शुल्क गेहूं की पिसाई के लिए आटा च?की की पूजा, अर्चना कर शुभारंभ होगा। छठ पूजा के चलते घाट पर साफ, सफाई, रंग, रोंगन, विद्युत साज, सज्जा, चेंड़क्षजग रूम आदि व्यवस्था की जा रही है। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों द्वारा घाट का निरीक्षण कर जरूरी व्यवस्थाओं के निर्देश दिए गए।

यहां भी होंगे छठ पूजा के आयोजन

छठ पूजा के सामूहिक आयोजन शीतलदास की बगिया, खटलापुरा, पांच नंबर पार्क, अवधपुरी, कलियासोत छठ घाट, हनुमान मंदिर कुंड बागसेवनिया, सरस्वती मंदिर, गोपाल नगर, मालीखेड़ी, गोदरमऊ, करबला, बागमुगालिया, कटारा हिल्स, घोड़ा पछाड़ डैम और कृष्णपुरम सहित 60 से अधिक स्थानों पर होंगे। इधर खटलापुरा पर छठ की तैयारी ज़ोरों पर है। भोजपुरी उत्सव समिति खटलापुरा के सदस्यों ने नगर निगम के सहयोग से घाट पर स्वच्छता कार्यक्रम चलाया। गुरुवार को महापौर मालती राय ने छठ घाट का निरीक्षण कर उचित व्यवस्था के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति भी मौजूद थे। समिति अध्यक्ष राहुल दुबे, सचिव पंकज ठाकुर ने बताया कि घाट पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उचित प्रकाश, पेयजल, सुरक्षा आदि का व्यवस्था कराई गई है।

चार दिन की छठ पूजा

- पहला दिन 13 नवंबर: नहाय- खाय: इस दिन से छठ पर्व की शुरुआत होगी । व्रती स्नान कर शुद्धता के साथ सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं और पूजा अर्चना कर, व्रत की तैयारियां शुरू होती हैं।
- दूसरा दिन 14 नवंबर-खरना: दूसरे दिन, निर्जला उपवास के बाद शाम को गुड़ की खीर, रोटी व फल का प्रसाद बनाकर छठी मैया को अर्पित किया जाता है। इसी प्रसाद से शाम को व्रत खोलते हैं, इसके बाद 36 घंटे के निर्जला व्रत की शुरुआत होती है।
- तीसरा दिन 15 नवंबर-संध्या अर्घ्य: इस दिन छठ पूजा का मुख्य आयोजन होता है। व्रती जलाशयों और
- घाटों पर पहुंचकर पानी में खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। यह प्रकृति, सूर्य और जीवनदायिनी ऊर्जा के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का पर्व है।
- चौथा दिन 16 नवंबर-उषा अर्घ्य और पारायण: इस दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की खुशहाली और आरोग्य की कामना की जाती है। इसके साथ ही व्रत का पारायण कर चार दिनी छठ पूजा का समापन होगा।

पचमढ़ी से भी सर्द हुए भोपाल-इंदौर

भोपाल में 12.2 और इंदौर में 11.1 डिग्री तापमान दर्ज

भोपाल। दोपहर मेट्रो

उत्तर भारत के पहाड़ों में बर्फबारी की आहट के साथ ही मध्य प्रदेश में ठंड ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। रातें सर्द होने लगी हैं और सुबह कई शहरों में धुंध छाने लगी है। प्रदेश के 20 शहरों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। हैरानी की बात यह है कि प्रदेश के इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी के मुकाबले भोपाल और इंदौर की रातें ज्यादा ठंडी रहीं। मौसम के बदले मिजाज का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इंदौर में न्यूनतम तापमान 11.1 डिग्री और भोपाल में 12.2 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि पचमढ़ी में पारा 12.6 डिग्री रहा। यानी मैदानी शहरों ने ठंड के मामले में हिल स्टेशन को भी पीछे छोड़ दिया है। प्रदेश में सबसे कम तापमान कटनी के करौंदी में 10.6 डिग्री दर्ज हुआ। दमोह में पारा 11 डिग्री रहा। शहडोल के कल्याणपुर में 11.4, शाजापुर के गिरवर में 11.6 और मलाजखंड में 12.5 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। जबलपुर, रायसेन और उमरिया में न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री रहा। उज्जैन में 14 और ग्वालियर में 14.6 डिग्री दर्ज किया गया। इन आंकड़ों से साफ है कि प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में रात की ठंड बढ़ने लगी है।



अगले पांच दिन में और गिरेगा पारा

मौसम विभाग के अनुसार, अगले पांच दिनों में न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री तक गिरावट आ सकती है। नवंबर के दूसरे पखवाड़े से ठंड का असर और बढ़ने का अनुमान है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में संभावित बर्फबारी के साथ उत्तर भारत से आने वाली ठंडी हवाएं मध्य प्रदेश के तापमान को प्रभावित करेंगी। राजस्थान के बीकानेर संभाग में 14 और 15 नवंबर को पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बारिश होने की संभावना है। इसके बाद वहां ठंड बढ़ सकती है। इसका असर भी प्रदेश के मौसम पर पड़ने का अनुमान है।

फिलहाल बारिश का कोई अलर्ट नहीं

मौसम विभाग ने शुक्रवार को प्रदेश के किसी भी जिले में आंधी या बारिश का अलर्ट जारी नहीं किया है। पिछले एक सप्ताह से प्रदेश में मौसम प्रणालियों के कारण आंधी-बारिश का दौर बना हुआ था, लेकिन अब मौसम साफ होने के साथ रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है।

ग्वालियर-चंबल में बढ़ेगी ठंड की मार

नवंबर के दूसरे पखवाड़े में ग्वालियर-चंबल संभाग में ठंड का असर ज्यादा दिखाई दे सकता है। यहां उत्तर दिशा से आने वाली ठंडी हवाएं सीधे पहुंचती हैं। मौसम के पुराने रिकॉर्ड भी बताते हैं कि इस इलाके में नवंबर के दौरान तापमान काफी नीचे जा चुका है। ग्वालियर में 57 साल पहले नवंबर में न्यूनतम तापमान तीन डिग्री और उज्जैन में 53 साल पहले 2.3 डिग्री तक पहुंचा था।

भोपाल में गैस सिलिंडर जब्ती में रिश्वत मांगने का आरोप, एएसओ पर एक्शन

आमने-सामने आए एजेंसी संचालक और एएसओ, गैस आपूर्ति बाधित

भोपाल। दोपहर मेट्रो

घरेलू गैस सिलिंडरों की जब्ती के मामले ने खाद्य विभाग में बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। एक तरफ गैस एजेंसी संचालक ने सहायक आपूर्ति अधिकारी (एएसओ) पर रिश्वत मांगने और पैसे नहीं देने पर वाहन व सिलिंडर जब्त करने का आरोप लगाया है, तो दूसरी तरफ अधिकारी ने इसे कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई बताते हुए एजेंसी संचालक पर दबाव बनाने और धमकाने के आरोप लगाए हैं। मामला इतना गंभीर हुआ कि कलेक्टर ने एएसओ अशोक कुमार सत्यार्थी के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश जारी कर उन्हें खाद्य शाखा से हटाकर निर्वाचन शाखा में संलग्न कर दिया।

इंडेन ग्रामीण गैस एजेंसी का मामला

जानकारी के अनुसार अहमदपुर इंडेन ग्रामीण गैस एजेंसी के संचालक राजकुमार पचौरी का आरोप है कि 28 अक्टूबर को परवलिया सड़क में उनकी गाड़ी को रोका गया। इसमें 61 घरेलू और सात व्यावसायिक सिलिंडर थे। इनमें से 50 सिलिंडर एसएसबी अकादमी चंदूखेड़ी और सात मुख्यमंत्री रसोई केंद्र में पहुंचाने का दावा किया गया। चालक ने डिलीवरी वाउचर भी दिखाए, लेकिन अधिकारी ने उन्हें फर्जी बताकर वाहन जब्त कर लिया। एएसओ ने 50 हजार रुपये मांगे और बाद में दो लाख रुपये लेकर गाड़ी छुड़ाने की बात कही। उन्होंने 18 अक्टूबर को चालक के खाते से तीन हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कराने का स्क्रीनशाट भी साक्ष्य के तौर पर होने का दावा किया है।

एएसओ ने शिकायत को बताया साजिश

अशोक सत्यार्थी ने आरोपों को झूठा और द्वेषभावना से प्रेरित बताया है। उनका दावा है कि कार्रवाई के दौरान एजेंसी संचालक और उनके साथी ने प्रलोभन दिया व कार्रवाई रोकने का दबाव बनाया। उन्होंने धमकी देने का आरोप भी लगाया है।

एएसओ की रिपोर्ट में अंतर

वहीं, एएसओ की चार नवंबर की जांच रिपोर्ट में वाहन में 61 खाली घरेलू और सात व्यावसायिक सिलिंडर मिलने का उल्लेख है। इनमें दो व्यावसायिक सिलिंडर भरे और पांच खाली थे। रिपोर्ट के अनुसार मौके पर लोड सिलिंडरों के वैध बिल प्रस्तुत नहीं किए गए और दिखाए गए दस्तावेजों का सिलिंडरों से मिलान नहीं हुआ। घरेलू सिलिंडरों को अधिक कीमत पर अनधिकृत रूप से बेचने की शिकायत का भी उल्लेख किया गया है।

कलेक्टर ने बैठाई विभागीय जांच

इधर शिकायत को प्रथम दृष्टया गंभीर मानते हुए कलेक्टर ने एएसओ अशोक सत्यार्थी के खिलाफ विभागीय जांच करने के आदेश दिए हैं। एडीएम प्रकाश नायक को जांच अधिकारी और जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन को प्रस्तुतकर्ता अधिकारी बनाया गया है। तीन महीने में जांच रिपोर्ट देनी होगी। जांच पूरी होने तक एएसओ को खाद्य शाखा से हटाकर निर्वाचन शाखा में संलग्न किया गया है।

भोपाल में जनता क्वार्टर खाली कराने के विरोध में पांच महिलाओं ने खाया जहर, हमीदिया में भर्ती

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के ऐशबाग इलाके में स्थित जर्जर जनता क्वार्टर को तोड़ने की प्रशासनिक तैयारी के बीच गुरुवार को तनावपूर्ण स्थिति बन गई। मकानों को खाली कराने और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के विरोध में पांच महिलाओं ने जहरीला पदार्थ खा लिया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सभी महिलाओं को तत्काल हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। दरअसल, ऐशबाग स्थित जनता क्वार्टर में करीब 600 मकान हैं। मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड ने इन भवनों को जर्जर बताते हुए रहवासियों को 13 नवंबर तक मकान खाली करने और सामान हटाने का अंतिम नोटिस जारी किया है। इसके बाद 14 नवंबर से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई प्रस्तावित है। प्रशासन ने इसके लिए पहले से तैयारियां कर रखी हैं। हाउसिंग बोर्ड के अनुसार, इन 600 क्वार्टरों में रहने वाले परिवारों में करीब 110 मूल आवंटी हैं, जबकि शेष मकानों पर अनधिकृत कब्जे बताए जा रहे हैं। इन भवनों को नगर निगम ने मई 2016 में ही खतरनाक घोषित कर दिया था। इसके बावजूद यहां बड़ी संख्या में परिवार रह रहे हैं। क्वार्टर खाली कराने का नोटिस मिलने के बाद से ही रहवासी विरोध कर रहे हैं। उनकी मांग है कि मकान तोड़ने से पहले उन्हें रहने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। लोगों का कहना है कि वे अपने परिवारों को लेकर अचानक कहां जाएंगे। रहवासी पहले भी पोस्टर और प्रदर्शन के माध्यम से घर के बदले घर देने की मांग उठा चुके हैं।



उधारी के 1200 रुपये न चुकाने पर घर में घुसकर युवक को राड से पीटा, मौत

भोपाल। दोपहर मेट्रो

महज 1200 रुपये के कर्ज की वसूली न चुकाने पर एक युवक ने सीएनजी आटो चालक की लोहे की राड से पीट-पीटकर हत्या कर दी। शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र के संजय नगर में दिवाली की रात आरोपित ने घर में घुसकर राजेश यादव (38) पर जानलेवा हमला किया था। सिर और हाथ-पैरों में गंभीर चोटें आने के बाद उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां बुधवार देर रात उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने पहले हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया था। अब मौत के बाद मामले में हत्या की धारा बढ़ाई जा रही है। शाहजहांनाबाद पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार संजय नगर में पानी की टंकी के पास रहने वाला राजेश यादव, पिता सत्यनारायण यादव, सीएनजी आटो चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। करीब 8 साल पहले आग से जलने के कारण उसकी पत्नी की मौत हो गई थी। इसके बाद से वह अपने दोनों बच्चों की अकेले परवरिश कर रहा था। 8-9 नवंबर की दरमियानी रात वह घर में अकेला था। इसी दौरान शोएब उर्फ अमीन उसके घर में घुसा और लोहे की राड से उस पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले में राजेश के सिर और हाथ-पैरों में गंभीर चोटें आईं। शोर सुनकर पड़ोसी पहुंचे तो आरोपित मौके से भाग निकला।

मजदूरी के रुपये दिलाने 20 हजार लेते पंचायत सचिव गिरफ्तार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए लोकायुक्त रीवा की टीम ने सीधी जिले में ग्राम पंचायत सचिव को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। आरोपी सचिव ने प्राथमिक स्कूल की बाउंड्रीवॉल निर्माण कार्य में लगी मजदूरी का भुगतान कराने के एवज में 40 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायत के बाद लोकायुक्त ने जाल बिछाया और गुरुवार को उसे रिश्वत की दूसरी किस्त लेते हुए पकड़ लिया।

लोकायुक्त के अनुसार, ग्राम सरईहा निवासी 39 वर्षीय मानेन्द्र सिंह ने 4 नवंबर को रीवा लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत की थी। शिकायतकर्ता ने ग्राम पंचायत ठोंगा के छिरहा टोला स्थित प्राथमिक स्कूल की बाउंड्रीवॉल का निर्माण कराया था। इस काम में सामग्री की सप्लाई के साथ उसने खुद और 10 अन्य लोगों से मजदूरी भी कराई थी। सभी 11 लोगों की कुल मजदूरी करीब 1.20 लाख रुपये बनी थी। आरोप है कि मजदूरी का भुगतान कराने के बदले ग्राम पंचायत ठोंगा के सचिव रामसुजान तिवारी ने 40 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायत के सत्यापन के दौरान 4 नवंबर को आरोपी ने शिकायतकर्ता से 20 हजार रुपये ले लिए थे। इसके बाद शेष 20 हजार रुपये देने के लिए दबाव बनाया जा रहा था।

शिकायत की पुष्टि होने के बाद लोकायुक्त पुलिस ने गुरुवार 12 नवंबर को ट्रैप कार्रवाई की। टीम ने कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, उप संभाग मझौली परिसर में शिकायतकर्ता से 20 हजार रुपये लेते हुए सचिव रामसुजान तिवारी को पकड़ लिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया गया है। लोकायुक्त की टीम आगे की कार्रवाई कर रही है।

गिरवी रखी मोपेड पर विवाद भोपाल में दोस्त के पेट में घोंपा चाकू, हालत गंभीर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

हनुमानगंज थाना क्षेत्र में उधारी की रकम को लेकर हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों के बीच हाथापाई हो गई। जब बात नहीं बनी तो विवाद में एक युवक ने अपने दोस्त पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। विवाद का कारण गिरवी रखी बाईक के पैसों को लेकर बताया जा रहा है। हमले के बाद आरोपित ने युवक के पेट में चाकू घोंप दिया और वारदात के बाद साथियों के साथ फरार हो गया। घायल की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस के अनुसार दुलीचंद का बाग निवासी समीर खान रेलवे पार्सल कार्यालय में काम करता है। कुछ समय पहले उसके दोस्त अभय अहिरवार ने अपनी मोपेड 28 हजार रुपये में समीर के पास गिरवी रखी थी। बाद में अभय मोपेड तो वापस ले गया, लेकिन गिरवी की रकम नहीं लौटाई। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था।

हत्या के प्रयास का मामला दर्ज

मंगलवार रात अभय अपने कुछ साथियों के साथ समीर से मिलने पहुंचा। यहां रुपयों को लेकर कहासुनी हुई और गुस्से में अभय ने समीर के पेट में चाकू मार दिया। घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

मेट्रो एंकर लोक शिक्षण संचालनालय ने जिला शिक्षा अधिकारियों और प्राचार्यों को दिए निर्देश

सरकारी शिक्षक स्कूल के बाद ही कर सकेंगे बीएलओ का काम

भोपाल। दोपहर मेट्रो

स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षकों को बिना अनुमति चुनाव ड्यूटी में नहीं लगाया जा सकेगा। लोक शिक्षण संचालनालय ने इस संबंध में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और प्राचार्यों को निर्देश जारी किए हैं। इसमें स्पष्ट किया गया है कि बिना अनुमति शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्य में लगाने पर संबंधित प्राचार्य और शिक्षक स्वयं जिम्मेदार होंगे। निर्देशों के अनुसार, आरटीआई एक्ट की धारा 27 के तहत शिक्षकों को जनगणना, आपदा राहत और चुनाव कार्य में लगाया जा सकता है। इसके अलावा स्कूल के नियमित शैक्षणिक कार्य प्रभावित किए बिना ही अन्य जिम्मेदारियां दी जा सकेंगी।



स्कूल के समय के बाद बीएलओ का काम

संचालनालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) का काम स्कूल समय के बाद या अवकाश के दिनों में ही कराया जा सकेगा। यानी शिक्षकों की शैक्षणिक जिम्मेदारियों को प्रभावित कर उनसे चुनाव संबंधी काम नहीं कराया जाएगा।

50 हजार शिक्षक जिम्मेदारी संभाल रहे

मध्य प्रदेश के सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों में करीब 65 हजार मतदान केंद्र हैं। प्रत्येक बूथ पर एक बीएलओ नियुक्त किया गया है। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार, इनमें से 75 से 80 प्रतिशत यानी करीब 50 हजार बीएलओ सरकारी शिक्षक हैं। शेष 20 से 25 प्रतिशत पदों पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पटवारी और पंचायत सचिव तैनात हैं।

सालभर होता है चुनाव का काम

प्रदेश में 2.80 लाख नियमित शिक्षक हैं। इनमें से लगभग 18 प्रतिशत अमला सालभर मतदाता सूची से जुड़े काम में लगा रहता है। विशेष पुनरीक्षण और चुनाव के दौरान सुपरवाइजर व सहायक की ड्यूटी भी जोड़ दी जाए तो यह संख्या 60 हजार से अधिक है।

बेबो के समर्थन में उतरे हिंदू संगठन बोले- माफी मांगने की जरूरत नहीं

भोपाल। दोपहर मेट्रो

दिवाली पर अभिनेत्री करीना कपूर खान द्वारा नवाब बेगमों के पुश्तैनी पेंडेंट पहनने से उपजे विवाद में अब हिंदू संगठन उनके समर्थन में सामने आए हैं। हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने स्पष्ट कहा है कि अभिनेत्री को इस मामले में किसी से भी माफी मांगने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि भोपाल के पूर्व शाही परिवार की बहू होने के नाते करीना को अपनी सास के परिवार की पैतृक विरासत तथा आभूषण पहनने का पूर्ण अधिकार है।



यह विवाद तब शुरू हुआ जब प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता अब्बास हफीज ने करीना कपूर खान को कानूनी नोटिस भेजकर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। हफीज का दावा है कि पन्ना जड़ित यह पेंडेंट लगभग 400 वर्ष पुराना है और इसे शाहजहां बेगम तथा सुल्तान जहां बेगम द्वारा इबादत के उद्देश्य से बनवाया गया था। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक पेंडेंट पर कुरान की पवित्र आयतें उकेरी गई हैं, इसलिए इसे फैशन आभूषण के रूप में प्रदर्शित करने से लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

कांग्रेस नेता की आपत्ति के जवाब में हिंदू उत्सव समिति और संस्कृति बचाओ मंच जैसे संगठन अभिनेत्री के पक्ष में आए हैं। समिति के अध्यक्ष तिवारी ने कहा कि पेंडेंट को गले में दिल के पास पहना जाता है, जो किसी भी तरह से अपमानजनक स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि क्योंकि करीना ने इसे दिवाली के पावन अवसर पर पहना था।



उत्तराखंड में मुख्यमंत्री यादव का भव्य स्वागत

उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर जिले के खटीमा स्थित लोहियाहेड हेलीपैड पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उनका भव्य स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री मोहन यादव जल्द करेंगे भर्ती और पदोन्नति की समीक्षा

दो लाख सरकारी भर्तियों की तैयारी खाली पदों के आंकलन का निर्देश

फरवरी 2027 तक विभागों को तैयार करने होंगे प्रस्ताव

चयन प्रक्रिया अक्टूबर 2028 तक पूरी करने का लक्ष्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में अगले दो वर्षों के दौरान सरकारी नौकरियों में भर्ती का बड़ा अभियान चलाने की तैयारी है। राज्य सरकार ने विभिन्न विभागों में करीब दो लाख पदों पर नियुक्तियां करने का लक्ष्य तय किया है। विधानसभा चुनाव 2028 से पहले युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागाध्यक्षों को भर्ती की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। सरकार चाहती है कि सभी पदों पर चयन की प्रक्रिया अक्टूबर 2028 तक पूरी कर ली जाए।

इस अभियान में पहले से खाली पदों के साथ विभागों में जरूरत के अनुसार नए पद भी शामिल किए जाएंगे। भर्ती मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग और



कर्मचारी चयन मंडल के माध्यम से कराई जाएगी। विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे आने वाले समय में खाली होने वाले पदों का भी आकलन करें, ताकि भर्ती की प्रक्रिया समय पर पूरी हो सके।

सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागों से कहा है कि वर्ष 2028 तक रिक्त होने वाले पदों की गणना कर विस्तृत कार्ययोजना बनाई जाए। इसके बाद फरवरी 2027 तक भर्ती के प्रस्तावों पर वित्त विभाग की स्वीकृति प्राप्त करनी होगी। विभागों को भर्ती की जरूरत, पदों की संख्या और चयन प्रक्रिया को ध्यान में रखकर तैयारी करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकारी जानकारी के अनुसार, अब तक मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग को 6,588 और कर्मचारी चयन मंडल को 17,299 पदों पर भर्ती के प्रस्ताव भेजे जा चुके हैं।

रोजगार के मुद्दे पर सरकार का बड़ा दांव

प्रदेश में 18 से 29 वर्ष आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या करीब पौने दो करोड़ बताई गई है। वहीं, रोजगार कार्यालयों में 33 लाख से अधिक युवाओं ने रोजगार के लिए पंजीयन कराया है। बेरोजगारी का मुद्दा राजनीतिक बहस का विषय भी रहा है। कांग्रेस लगातार बेरोजगार युवाओं के मुद्दे पर सरकार को घेरती रही है। इसी बीच राज्य सरकार ने वर्ष 2027 को युवा वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की है। इसके तहत युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने के साथ सरकारी विभागों में नियुक्तियों पर भी जोर दिया जाएगा। भर्ती अभियान के साथ कर्मचारियों की पदोन्नति और अन्य लंबित मामलों को लेकर भी सरकार सक्रिय हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जल्द ही उच्चस्तरीय बैठक करेंगे। इसमें सरकारी पदों पर भर्ती, पदोन्नति और कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न विषयों की समीक्षा की जाएगी।

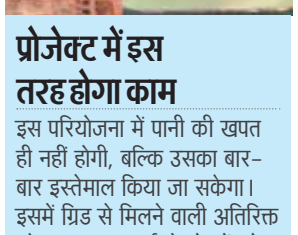
नवाचार: 18 को गांधीसागर में डेस्टिनेशन कैबिनेट

11,500 करोड़ का प्रोजेक्ट बनेगा आकर्षण का केंद्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में विकास को नई रफ्तार देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लगातार नए प्रयोग कर रहे हैं। इसी कड़ी में अब मंदसौर जिले का गांधीसागर प्रदेश की विकास यात्रा का नया केंद्र बनने जा रहा है। 18 नवंबर को यहां होने वाली डेस्टिनेशन कैबिनेट बैठक कई मायनों में खास होगी। इस बैठक का सबसे बड़ा आकर्षण 11,500 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 1920 मेगावाट क्षमता की गांधीसागर पंप्ड हाइड्रो स्टोरेज परियोजना होगी। यह मेगा प्रोजेक्ट ऊर्जा, रोजगार और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में मध्यप्रदेश के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल सकता है।

ग्रीनको ग्रुप कर रहा परियोजना का निर्माण- गौरतलब है कि 'गांधीसागर पंप्ड हाइड्रो स्टोरेज परियोजना' को ग्रीनको ग्रुप तैयार कर रहा है। यह देश में निर्माणाधीन सबसे बड़ी स्वतंत्र पंप्ड हाइड्रो स्टोरेज प्रोजेक्ट है। 1920 मेगावाट भंडारण क्षमता वाली यह परियोजना नीमच जिले की रामपुरा तहसील स्थित खेमला ब्लॉक के गांव में स्थापित की जा रही है। 11500 करोड़ लागत वाली यह परियोजना करीब 414 हेक्टेयर भूमि पर आकार ले रही है। इतनी बड़ी परियोजना में दो जलाशयों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसमें निचला जलाशय तो मौजूदा गांधीसागर जलाशय है ही, साथ ही ग्रीनको ने नया जलाशय भी बनाया है।



प्रोजेक्ट में इस तरह होगा काम

इस परियोजना में पानी की खपत ही नहीं होगी, बल्कि उसका बार-बार इस्तेमाल किया जा सकेगा। इसमें ग्रिड से मिलने वाली अतिरिक्त सौर या पवन ऊर्जा से मोटरों को आगे-पीछे चलाया जाएगा। इसके जरिये पानी को निचले जलाशय से ऊपरी जलाशय में पंप करके भेजा जाएगा। पीक आवर्स में ऊपरी जलाशय से पानी निचले जलाशय में छोड़ा जाएगा। इस दौरान वही मोटरें उल्टी दिशा में घूमकर टरबाइन के रूप में नवीकरणीय बिजली पैदा करेंगी। इस परियोजना में लगातार 6 घंटे तक बिजली उत्पादन कर सकती है। टरबाइन मोड में इसका रेटेड हेड लगभग 122 मीटर है। परियोजना की राउंड ट्रिप एफीशिएंसी यानी संग्रहित ऊर्जा को वापस देने की क्षमता लगभग 80त्न रहने का अनुमान है। इसमें कुल 9 टर्बाइन लगाए जा रहे हैं। इनसे कुल वार्षिक ऊर्जा उत्पादन क्षमता 3,580 मिलियन यूनिट होगी।

भोपाल जिले में 14,661 नामांतरण लंबित, कमिश्नर ने दिया 15 दिन का अल्टीमेटम

भोपाल। राजस्व विभाग में आम जनता के काम महीनों तक अटकाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की अब खैर नहीं। नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन जैसे बुनियादी कामों में लगातार हो रही देरी पर संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने सख्त रुख अपनाया है। जिले में नामांतरण के 14 हजार 661 प्रकरण लंबित मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। इतना ही नहीं, सीमांकन के सभी लंबित मामलों को 15 दिन में निपटाने के लिए संभागव्यापी विशेष अभियान चलाने और 50 दिन से अधिक पुराने नामांतरण-बंटवारा प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने का अल्टीमेटम दिया है। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के साथ वेतन काटने तक के निर्देश दिए गए हैं।

हुजूर में 1958 प्रकरणों की पेशी

संभागायुक्त ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्व विभाग की समीक्षा की। भोपाल जिले के आरसीएमएस पोर्टल पर अपर तहसीलदार न्यायालय, वृत्त-टू, हुजूर में पेशी से उतरे 1958 प्रकरण समय-सीमा से बाहर मिलने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई। संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रावधानों के तहत तहसीलदार व नायब तहसीलदार का वेतन काटने के निर्देश दिए।

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए BIS तैयार कर रहा गाइडलाइन

IISER भोपाल में 35 से अधिक पर्यावरण विशेषज्ञों ने किया मंथन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

तेजी से बदलते मौसम और जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के लिए अब देश में एक मजबूत और व्यावहारिक गाइडलाइन तैयार की जा रही है। इसके तहत प्रकृति और हमारे ईको-सिस्टम को ढाल बनाकर मौसम के मिजाज से तालमेल बिठाने पर काम होगा। इसी मकसद से भारतीय मानक ब्यूरो (बीआइएस) ने भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आइआइएसईआर) में देशभर के विशेषज्ञों का एक बड़ा मंथन सत्र आयोजित किया। इस बैठक में पर्यावरण वैज्ञानिक, रिसर्च स्कॉलर्स और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के 35 से ज्यादा प्रतिनिधि जुटे।



एक्शन प्लान के लिए मांगे गए सीधे सुझाव

बीआइएस भोपाल के प्रमुख मोहम्मद रिजवान ने कहा कि कोई भी सरकारी नियम सिर्फ दफ्तरों में बैठकर कारगर नहीं हो सकता, जब तक जमीन पर काम करने वाले लोग और वैज्ञानिक अपना इनपुट न दें, तब तक मानक असरदार नहीं बन सकते। उन्होंने विशेषज्ञों से अगले पांच साल 2027-2032 के राष्ट्रीय एक्शन प्लान के लिए भी सीधे सुझाव मांगे। चर्चा के दौरान स्थानीय परंपराओं और आधुनिक विज्ञान को साथ लेकर चलने पर जोर दिया गया। आइआइएसईआर के प्रोफेसर पंकज कुमार ने कहा कि पेड़-पौधों, जंगलों और जैव विविधता को बचाते हुए ही हम जलवायु परिवर्तन के असर को कम कर सकते हैं।



बौखलाहट का इलाज

कश्मीर घाटी में निश्चय ही आतंकवादियों की स्थिति बहुत कमजोर हो गई है। मगर वे बार-बार यह एहसास दिलाने की कोशिश करते हैं कि वे खत्म नहीं हुए हैं। कश्मीर के कुलगाम जिले के आखरन-नौपुरा (मीर बाजार) इलाके में सीआरपीएफ के चेक पोस्ट पर आतंकी हमले को आतंकवादियों की बौखलाहट के नजरिये से देखा जाना चाहिए। दो आतंकी मोटरसाइकिल पर आए और 15 सेकेंड में करीब 30 राउंड फायरिंग करके फरार हो गए। कुलगाम की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि इस तरह का हमला करके जंगलों में छिप जाना या आम लोगों में घुलमिल जाना बहुत आसान है और आतंकियों ने यही किया। दरअसल इस तरह के हमले की आशंका बनी हुई थी क्योंकि श्रीनगर के लाल चौक पर जिस उत्साह के साथ स्थानीय लोगों, पर्यटकों और सुरक्षाकर्मियों ने दीप जलाए और पटाखे फोड़े वह आतंकवादियों को कैसे कबूल होता? लाल चौक वह इलाका है जहां वर्षों तक आतंकवादियों का बोलबाला रहा। लाल चौक पर अपनी उपस्थिति बनाए रखने में सुरक्षाकर्मियों को भी भारी मशक्कत करनी पड़ती थी। एक समय वहां की सारी इमारतें गोलियों से छलनी हुआ करती थीं। आतंकवादी यह मान कर चलते थे कि लाल चौक उनकी बपौती है। मगर अनुच्छेद 370 समाप्त होने के बाद प्रशासन और सुरक्षाकर्मियों की सख्ती ने हालात बदल दिए हैं। लाल चौक वह जगह है जहां 1948 में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने तिरंगा फहराया था। 90 के दशक में हालात ऐसे हो गए कि पर्यटक भी वहां जाने से घबराने लगे। हालांकि 1992 में आतंकवादियों की धमकी के बावजूद मुरली मनोहर जोशी, नरेंद्र मोदी ने वहां झंडा फहराया, श्रीनगर के इस केंद्र बिंदु का नाम लाल चौक क्यों पड़ा, यह भी बड़ा दिलचस्प है। 1940 के दशक में वामपंथी नेताओं ने मॉस्को के रेड स्क्वायर से प्रेरित होकर इसका नाम लाल चौक रखा था। आज घाटी में वामपंथियों का कोई नामलेवा भी नहीं है। ऐसे ऐतिहासिक लाल चौक पर दीयों की लौ ने आतंकवादियों को बौखला दिया होगा। आतंकियों ने सोचा होगा कि भले ही लाल चौक पर कुछ न कर पाए हों, दूसरी जगहों पर तो अपनी उपस्थिति दिखाएं! ये आतंकवादियों की रणनीति रहती है। 2003 में जब तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी श्रीनगर गए थे तब भी आतंकवादियों ने अपनी उपस्थिति का संदेश देने के लिए रातभर फायरिंग की थी। पीएम की यात्रा के कुछ ही दिनों के अंदर खूंखार आतंकवादी गाजी बाबा मारा गया था। इस बार भी सीआरपीएफ के नाके पर हमला बौखलाहट का ही स्वरूप है। आतंकियों ने न केवल सीआरपीएफ के नाके पर हमला किया बल्कि किश्तवाड़ जिले में पुलिस की चरमपंथ विरोधी इकाई स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप में तैनात स्पेशल पुलिस ऑफिसर 54 वर्षीय बॉबी चंद और 45 वर्षीय रशपाल कुमार को अगवा कर लिया। उनका शव दच्छन इलाके के जंगल से मिला। उन्हें गोली मारी गई और उनकी सर्विस राइफलें भी गायब हैं। किश्तवाड़ में हाल के महीनों में आतंकवादी गतिविधियों में तेजी आई है। यह इलाका जम्मू के डोडा जिले, कश्मीर के अनंतनाग जिले और लद्दाख के जांस्कर जिले के बीच स्थित है। कश्मीर घाटी में सुरक्षाकर्मियों ने जबरदस्त शिकंजा कसा हुआ है। और कई मुठभेड़ें हुई हैं। माना यह जा रहा है कि इस वक्त कश्मीर में करीब-करीब 80 विदेशी आतंकवादी सक्रिय हैं जबकि स्थानीय आतंकवादियों की सूची में केवल एक नाम अब्दुल लतीफ बट रह गया है। वह विदेशी यानी पाकिस्तानी आतंकवादियों के साथ मिल कर काम कर रहा है। पिछली मुठभेड़ में वह बच निकला था लेकिन मौजूदा आतंकी हमले के बाद हमारे सुरक्षाकर्मी उसे निश्चित ही मौत के घाट उतार देंगे। कुलगाम और किश्तवाड़ की घटना के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि कश्मीर से आतंकवादियों का सफाया करने में अभी और वक्त लगेगा। हमारे सुरक्षाकर्मी बहुत मजबूत हैं। वे आतंकवाद की कब्र खोदने में माहिर हैं। थोड़ा वक्त लगेगा लेकिन कश्मीर घाटी से आतंकवादियों का समूल नाश तय है क्योंकि वहां के स्थानीय नागरिक आतंकवाद का खात्मा चाहते हैं।

छठ महापर्व आस्था, प्रकृति और मानवता के सम्मान का अनुपम संदेश

सौरभ वार्ष्णेय
स्तंभकार



भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं में छठ महापर्व का विशेष स्थान है। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान या सूर्य देव की उपासना का पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, सामाजिक समरसता, अनुशासन, त्याग, पवित्रता और मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत संगम है। छठ का पर्व हमें जीवन के उस मूल सत्य से परिचित कराता है, जिसे आधुनिकता और भागदौड़ के बीच हम कहीं न कहीं भूलते जा रहे हैं। यह पर्व सिखाता है कि मनुष्य का जीवन प्रकृति के बिना अधूरा है और हमारी आस्था तभी सार्थक हो सकती है, जब उसमें प्रकृति का सम्मान, समाज का कल्याण और मानवता की भावना भी शामिल हो।

छठ महापर्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें प्रकृति को ही आराध्य मानकर उसकी पूजा की जाती है। सूर्य, जल, वायु और पृथ्वी जैसे जीवन के आधारभूत तत्वों के प्रति आभार व्यक्त करना इस पर्व का मूल भाव है। सूर्य के बिना धरती पर जीवन की कल्पना संभव नहीं है। सूर्य से ही ऊर्जा मिलती है, कृषि को प्रकाश और ताप मिलता है तथा समस्त जीव-जगत का अस्तित्व कायम रहता है। वहीं नदियां, तालाब और अन्य जलस्रोत मानव जीवन के लिए अमूल्य हैं। छठ व्रती अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर यह संदेश देते हैं कि प्रकृति के प्रत्येक स्वरूप का अपना महत्व है और उसके प्रति मनुष्य को सदैव कृतज्ञ रहना चाहिए। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, जल संकट, जंगलों की कटाई और पर्यावरण असंतुलन जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है, तब छठ महापर्व की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। विडंबना यह है कि जिस प्रकृति की हम पूजा करते हैं, उसी प्रकृति को अपने स्वार्थ और लापरवाही से नुकसान भी पहुंचा रहे हैं। नदियों में गंदगी डालना, तालाबों पर अतिक्रमण करना, प्लास्टिक का अंधाधुंध इस्तेमाल और जलस्रोतों को प्रदूषित करना हमारी सामाजिक आदतों का हिस्सा बनता जा रहा है। ऐसे में छठ का पर्व हमें आत्ममंथन करने का अवसर देता है। यदि हम वास्तव में सूर्य और जल की उपासना करते हैं, तो नदियों और तालाबों को स्वच्छ रखना भी हमारी धार्मिक और सामाजिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।



छठ महापर्व का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष सामाजिक समानता और सामूहिक सहभागिता है। इस पर्व में जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र और आर्थिक स्थिति के भेदभाव से ऊपर उठकर लोग एक-दूसरे के साथ खड़े दिखाई देते हैं। घाटों की सफाई से लेकर सजावट, प्रकाश व्यवस्था, पूजा सामग्री की व्यवस्था और व्रतियों की सहायता तक समाज का प्रत्येक वर्ग अपनी भूमिका निभाता है। कोई घाट साफ करता है, कोई रास्ते को व्यवस्थित करता है, कोई प्रसाद वितरण में सहयोग देता है तो कोई जरूरतमंद श्रद्धालुओं की सहायता करता है। यह सामूहिकता भारतीय समाज की उस खूबसूरत तस्वीर को सामने लाती है, जिसमें व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर सामूहिक कल्याण को प्राथमिकता दी जाती है। आज के समय में जब समाज अनेक प्रकार के विभाजनों, वैचारिक मतभेदों और आपसी तनावों से गुजर रहा है, छठ का पर्व हमें एकजुटता का संदेश देता है। यह बताता है कि धार्मिक आस्था का वास्तविक उद्देश्य केवल व्यक्तिगत मनोकामनाओं की पूर्ति नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, सहयोग और सद्भाव का वातावरण बनाना भी है। किसी भी पर्व की सार्थकता तभी है, जब उससे समाज के कमजोर, वंचित और जरूरतमंद वर्गों को भी सम्मान और सहयोग मिले। इस पर्व में महिलाओं की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय है। कठिन व्रत, संयम, उपवास और कठोर नियमों का पालन करते हुए महिलाएं जिस श्रद्धा और धैर्य का परिचय देती हैं, वह भारतीय नारी की शक्ति, संकल्प और आत्मविश्वास का प्रतीक है। हालांकि छठ पूजा में पुरुष भी समान श्रद्धा के साथ व्रत रखते हैं और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेते हैं। यह पर्व परिवार के सभी सदस्यों को जिम्मेदारी, अनुशासन और सामूहिक सहभागिता का पाठ पढ़ाता है। चार दिनों तक चलने वाला यह अनुष्ठान नहाय-खाय से प्रारंभ होकर खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य तक पहुंचता है। प्रत्येक चरण में शुद्धता, संयम और समर्पण की भावना दिखाई देती है।

छठ की एक और विशेषता यह है कि इसमें केवल उगते सूर्य की ही नहीं, बल्कि डूबते सूर्य की भी उपासना की जाती है। यह परंपरा अपने आप में अत्यंत गहरा सामाजिक और दार्शनिक संदेश समेटे हुए है। सामान्यतः दुनिया में उगते सूर्य को प्रणाम करने की परंपरा अधिक दिखाई देती है, लेकिन छठ में अस्ताचलगामी सूर्य को भी उतनी ही श्रद्धा से अर्घ्य दिया जाता है। इसका अर्थ है कि हमें केवल सफलता, शक्ति और समृद्धि का ही सम्मान नहीं करना चाहिए, बल्कि जीवन के उतार-चढ़ाव, संघर्ष और अस्तित्व के प्रत्येक चरण को भी समान सम्मान देना चाहिए। समाज में भी हमें केवल सफल और प्रभावशाली लोगों के साथ नहीं, बल्कि संघर्ष कर रहे लोगों के साथ भी खड़ा होना चाहिए। यही मानवीय संवेदना का वास्तविक स्वरूप है।

छठ महापर्व की वास्तविक महिमा केवल पूजा-पाठ, व्रत और परंपराओं में नहीं, बल्कि उन जीवन मूल्यों में छिपी है, जिन्हें यह समाज को सौंपता है। आस्था का अर्थ केवल ईश्वर के सामने सिर झुकाना नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति संवेदनशील होना, समाज के प्रति उत्तरदायी बनना और जरूरतमंदों के प्रति सहयोग का हाथ बढ़ाना भी है। हमें यह समझना होगा कि जिस समाज में नदियां स्वच्छ हों, पर्यावरण सुरक्षित हो, आपसी सद्भाव कायम हो और हर व्यक्ति को सम्मान मिले, वही समाज वास्तव में धार्मिक और संस्कारित कहलाने योग्य है। छठ का पर्व हमें यही संदेश देता है कि आस्था तभी सार्थक है, जब उसके साथ प्रकृति का सम्मान, समाज का कल्याण और मानवता की भावना भी जुड़ी हो। यही इस महापर्व की सबसे बड़ी सीख है और यही भारतीय संस्कृति की वास्तविक पहचान भी है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

विश्व बंधुत्व का भाव जगाकर भारत ही कर सकता है विभिन्न देशों में शांति की स्थापना

प्रहलाद सबनानी
स्तंभकार



आज वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के बीच कई युद्ध चल रहे हैं एवं कई देशों के बीच आपस में तनाव चरम पर पहुंच गया है तथा हो सकता है कि कुछ समय पश्चात इन देशों के बीच भी युद्ध छिड़ जाए। रूस-यूक्रेन युद्ध तो पिछले लगभग 4 वर्ष से अधिक समय से चल ही रहा है। इजराईल-फिलिस्तीन युद्ध भी लम्बे समय से चल रहा है। अमेरिका-ईरान युद्ध को भी 6 माह से अधिक का समय व्यतीत हो चुका है एवं इस युद्ध ने तो खाड़ी के कई देशों को भी अपनी चपेट में ले लिया है एवं सऊदी अरब एवं ईरान समर्थित हूथी विद्रोहियों के बीच भी युद्ध छिड़ चुका है। अजरबैजान-आर्मेनिया के बीच, चीन-ताइवान के बीच, उत्तर कोरिया-दक्षिण कोरिया के बीच एवं भारत-चीन के बीच भी लगातार तनाव बना ही रहता है। विभिन्न देशों की सरकारों के बीच दरअसल अहं का भाव चरम पर पहुंच गया है, इसके चलते वे आपस में समझौता करने को बिलकुल तैयार नहीं हैं। अब प्रश्न यह किया जा रहा है कि ऐसे कठिन समय में विभिन्न देशों के बीच शांति स्थापित करने के उद्देश्य से भारत के माध्यम से विश्व बंधुत्व के भाव को जगाने हेतु क्या हिंदू सनातन संस्कृति को अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी नहीं चाहिए?



विश्व बंधुत्व के भाव में विश्व के समस्त देशों के बीच आपस में भाईचारा और प्रेम की भावना स्थापित करना शामिल है। बंधुत्व का भाव जगाने के बाद विभिन्न देशों के समस्त नागरिक भी आपस में बिना किसी भेदभाव के मिलजुलकर मित्रवत भाव के साथ रहने की ओर आगे बढ़ेंगे। सच्चा मित्र उसे कहते हैं जो किसी भी संकट, उत्सव अथवा देश पर आपदा आने पर एक दूसरे की सहायता करता है। साथ ही, मित्र आपस में द्वेष, बैर और हिंसा की भावना का त्याग करते हैं। हिंदू सनातन संस्कारों के अनुसार, भारत में तो यह विश्वास किया जाता है कि समस्त प्राणियों में ईश्वर का वास है, अतः पूरे विश्व के नागरिक आपस में सहोदर हैं। इसी दृष्टि से, भारतीय 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना में विश्वास रखते हैं, अर्थात विश्व के समस्त नागरिक आपस में भाई बंधु हैं एवं एक ही परिवार के सदस्य हैं। 11 सितम्बर 1893 को दिए गए स्वामी विवेकानंद जी के विश्व विख्यात शिकागो व्याख्यान को 133 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। स्वामी जी ने उक्त धर्म सभा में भारत के सर्वसमावेशी एकात्म और सर्वांगीण जीवन दृष्टि के आधार पर विश्वबंधुत्व का विचार सबके सम्मुख रखा था। उन्होंने अपने हृदय के भाव प्रकट किये थे। स्वामी जी ने अपने इस ऐतिहासिक संबोधन की शुरुआत ही 'मेरे अमेरिकन बहनों और भाईयो' कहकर की थी, जिसे सुन कर पूर्ण सभागार अचंभित और उत्तेजित हो उठा था और कई मिनटों तक खड़े होकर लगातार तालियां बजाकर स्वामी जी का अभिवादन किया था। अपने उदबोधन में स्वामी जी ने कहा था कि - 'मैं एक ऐसे धर्म का अनुयायी होने में गर्व का अनुभव करता हूं, जिसने संसार को सहिष्णुता तथा सार्वभौम स्वीकृति, दोनों की ही शिक्षा दी है। हम लोग सब धर्मों के प्रति केवल सहिष्णुता में ही विश्वास नहीं करते, वरन् समस्त धर्मों को सच्चा मान कर स्वीकार करते हैं। मुझे ऐसे देश का व्यक्ति होने का अभिमान है, जिसने इस पृथ्वी के समस्त धर्मों और देशों के उत्पीड़ितों और शरणार्थियों को आश्रय दिया है। मुझे आपको यह बतलाते हुए गर्व होता है कि हमने अपने वक्ष में यहूदियों को स्थान दिया था, जिन्होंने दक्षिण भारत आकर उसी वर्ष शरण ली थी, जिस वर्ष उनका पवित्र मन्दिर रोमन जाति के अत्याचार से धूल में मिला दिया गया था।' स्वामी जी अपने उदबोधन में आगे कहते हैं कि 'साम्प्रदायिकता, हठधर्मिता और उनकी वीभत्स वंशधर धर्मान्धता इस सुन्दर पृथ्वी पर बहुत समय तक राज्य कर चुकी है। वह पृथ्वी को हिंसा से भरती रही है, उसको बारम्बार मानवों के रक्त से नहलाती रही है, सभ्यताओं का विध्वंस करती और पूरे पूरे देशों को निराशा के गर्त में डालती रही है। यदि यह वीभत्स दानवता न होती, तो मानव समाज आज की अवस्था से कहीं अधिक उन्नत हो गया होता।'

स्वामी विवेकानंद की एकता की परिकल्पना केवल धार्मिक एकता तक सीमित नहीं थी। उनके लिए एकता का अर्थ था - मनुष्य और मनुष्य के बीच एकता, समाज और समाज के बीच एकता, धर्मों के बीच समन्वय तथा समस्त मानवता में एक ही चेतना का दर्शन। भारतीय संस्कृति में हजारों वर्षों से यह विचार रहा है कि सम्पूर्ण विश्व एक परिवार है।

'अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्॥'

अर्थात, संकीर्ण दृष्टि वाले लोग अपना और पराया देखते हैं, जबकि उदार चरित्र वाले सम्पूर्ण पृथ्वी को अपना परिवार मानते हैं। स्वामी विवेकानंद जी की दृष्टि में विश्व की समस्याओं का समाधान विभाजन और संघर्ष में नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर निहित एकत्व की अनुभूति में था। स्वामी विवेकानंद जी के उक्त विचारों को भारत ने जिया है। लगभग इन्हीं विचारों को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूज्य सर संघचालक माननीय डा मोहन भागवत जी विजया दशमी 2026 के अपने उदबोधन में कहते हैं कि 'भारत जैसे, मत, पंथ, सम्प्रदाय, प्रांत, जाति, भाषा, खानपान, रीतिरिवाज, आदि विविधताओं से भरपूर, देश में जो विचार इन सभी को स्वीकार करता है, सम्मान देता हैं, अपनेपन से देखता है, वही हमारी एकता का आधार बन सकता है।

कुल मिलाकर, आज की वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत द्वारा विभिन्न देशों के बीच विश्व बंधुत्व के भाव को जगाकर, भविष्य में होने वाले तीसरे विश्व युद्ध को रोका जा सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी इस दृष्टि से प्रयास करता हुआ दिखाई दे रहा है। हाल ही में संघ के परम पूज्य सर संघचालक माननीय डा मोहन भागवत जी द्वारा अमेरिका, कनाडा एवं ब्रिटेन की यात्रा इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। दक्षिणी अफ्रीका के कुछ विशिष्ट नागरिकों ने तो दक्षिणी अफ्रीका में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तर्ज पर संगठन स्थापित करने का आग्रह संघ से किया है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

लौकी का जूस वजन और शुगर घटाता है? सावधानी बरतना है जरूरी

लौकी की सब्जी भारतीय घरों में खूब खाई जाती है। हल्की होने के कारण इसे पाचन के लिए अच्छा माना जाता है। पिछले कुछ समय से लौकी का जूस भी काफी लोकप्रिय हुआ है। कई लोग सुबह खाली पेट इसे पीते हैं और दावा करते हैं कि इससे वजन घटता है, पेट की चर्बी कम होती है और ब्लड शुगर नियंत्रित रहती है। लेकिन क्या सचमुच एक गिलास लौकी का जूस इतने फायदे दे सकता है? इसका जवाब समझना जरूरी है। लौकी पौष्टिक आहार का हिस्सा जरूर है, लेकिन इसे किसी बीमारी का इलाज मानना ठीक नहीं।



लौकी में पानी की मात्रा अधिक होती है। इसमें पोटैशियम, विटामिन सी और कुछ अन्य पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। इसका जूस पीने से शरीर को तरल पदार्थ मिल सकते हैं। हालांकि, शरीर में पानी की कमी पूरी करने के लिए सादा पानी भी अच्छा विकल्प है। लौकी को सब्जी के रूप में खाने का एक फायदा यह है कि इससे फाइबर भी मिलता है। फाइबर पाचन को बेहतर रखने और कब्ज से बचाने में मदद करता है। लेकिन जूस बनाते समय यदि उसका गूदा छानकर निकाल दिया जाए तो फाइबर की मात्रा काफी कम हो जाती है।

लौकी का जूस सामान्य तौर पर कम कैलोरी वाला पेय है। यदि कोई व्यक्ति मीठे पेय, शरबत या अधिक कैलोरी वाले पेय की जगह बिना चीनी का लौकी का जूस पीता है, तो उसकी कुल कैलोरी कम हो सकती है। इससे वजन नियंत्रित करने में कुछ मदद मिल सकती है। लेकिन केवल लौकी का जूस पीने से पेट की चर्बी अपने आप कम नहीं होती। वजन घटाने के लिए संतुलित भोजन, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद और जरूरत से ज्यादा कैलोरी लेने से बचना जरूरी है। वजन कम करने के चक्कर में भोजन छोड़कर सिर्फ जूस पीना भी सही तरीका नहीं है।

लौकी को लेकर यह दावा भी किया जाता है कि इसका जूस ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल कम कर सकता है। कुछ छोटे अध्ययनों में इसके संभावित लाभ देखे गए हैं, लेकिन अभी इतने मजबूत वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं कि इसे डायबिटीज या कोलेस्ट्रॉल का भरोसेमंद उपचार माना जाए। ऐसी लौकी का जूस पीने से तेज पेट दर्द, उल्टी, दस्त, खून की उल्टी और ब्लड प्रेशर गिरने जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए जूस बनाने से पहले लौकी का छोटा टुकड़ा चखकर उसका स्वाद जांचें। यदि वह जरा भी असामान्य रूप से कड़वी लगे तो पूरी लौकी फेंक दें। उसमें दूसरी चीजें मिलाकर भी जूस न बनाएं। लौकी का जूस पीना जरूरी नहीं है। इसे संतुलित खानपान का एक विकल्प माना जा सकता है, चमत्कारी उपचार नहीं। असली फायदा नियमित दिनचर्या, सही भोजन और जरूरत के अनुसार चिकित्सकीय सलाह से मिलता है।

निशाना

ठीक मुंसिफ़ का फैसला न हुआ..



प्रदीप कश्यप

खोटा सिक्का अगर ख़रा न हुआ।
दोस्त अपना भी वो सगा न हुआ।
तीरगी है जहाँ बहुत गहरी।
एक दीपक वहाँ जला न हुआ।
जिस की फितरत में है दगा धोखा।
आदमी वो कभी भला न हुआ।
खूब जिसने भला किया सबका।
ऐसे इंसान का बुरा न हुआ।
बेगुनाहों को दी सज़ा तगड़ी।
ठीक मुंसिफ़ का फ़ैसला न हुआ।
उसको हासिल नहीं हुई मंज़िल।
साथ में जिस के हौसला न हुआ।
दोस्त सुख में रहे बहुत कश्यप।
दोस्त दुख में कोई मेरा न हुआ।

यूजर्स गाइड

चार्जर लगाते समय चिंगारी दिखे तो घबराएं नहीं, लेकिन सावधानियां जरूर अपनाएं

मोबाइल चार्जर को बिजली के सॉकेट में लगाते समय कभी-कभी छोटी सी चिंगारी दिखाई देती है या चट की आवाज सुनाई देती है। ज्यादातर लोग इसे सामान्य मानकर अनदेखा कर देते हैं। लेकिन मन में यह सवाल जरूर आता है कि क्या इससे फोन या चार्जर खराब हो सकता है?

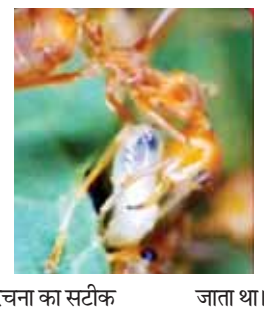


मोबाइल चार्जर के अंदर कुछ ऐसे इलेक्ट्रॉनिक पुर्जे होते हैं, जिन्हें कैपेसिटर कहा जाता है। चार्जर को बिजली से जोड़ते ही ये पुर्जे शुरुआती क्षण में तेजी से बिजली लेते हैं। इसे तकनीकी भाषा में इनरश करंट कहते हैं। जब चार्जर के पिन सॉकेट के अंदर मौजूद धातु के संपर्क में आते हैं, तो जुड़ने से ठीक पहले बिजली की एक छोटी सी चमक दिखाई दे सकती है। इसे स्पार्क या आर्क कहा जाता है। अच्छी गुणवत्ता वाले आधुनिक चार्जर में इस तरह की शुरुआती बिजली खपत को संभालने के लिए सुरक्षा व्यवस्था होती है। बार-बार तेज चिंगारी निकलना सामान्य बात नहीं है। इससे चार्जर के पिन काले पड़ सकते हैं और सॉकेट के अंदर के संपर्क जलने या खराब होने लग सकते हैं। ढीले संपर्क के कारण गर्मी बढ़ सकती है। ऐसी स्थिति में चार्जर और सॉकेट दोनों को नुकसान पहुंचने के साथ आग लगने का खतरा भी हो सकता है। सबसे आसान सावधानी यह है कि चार्जर लगाने से पहले सॉकेट का स्विच बंद रखें। पहले चार्जर का प्लग सॉकेट में पूरी तरह लगाएं और फिर स्विच चालू करें। इससे प्लग लगाते समय बिजली का संपर्क बनने की स्थिति से बचा जा सकता है। चार्जर को आधा या तिरछा लगाकर इस्तेमाल न करें। यदि सॉकेट ढीला है और चार्जर का प्लग ठीक से नहीं टिकता, तो उसका इस्तेमाल बंद करवा दें। सस्ते और नकली चार्जर खरीदने से बचें। चार्जर के तार या पिन टूटे हों, जले हुए निशान दिखें या प्लग असामान्य रूप से गर्म हो रहा हो तो उसे इस्तेमाल न करें। गीले हाथों से चार्जर या सॉकेट को न छुएं। किसी भी खराब सॉकेट को खुद खोलकर ठीक करने की कोशिश न करें। यदि हर बार चार्जर लगाने पर तेज चिंगारी निकलती है, जलने की गंध आती है, सॉकेट गर्म होता है या चट-चट की आवाज लगातार सुनाई देती है, तो तुरंत इस्तेमाल बंद कर दें। बिजली का स्विच सुरक्षित तरीके से बंद करें और इलेक्ट्रीशियन से सॉकेट की जांच करवाएं।

अजब - गजब

चींटियों का हैरान करने वाला शहर इंजीनियरिंग को मात देता कुदरत का करिश्मा

प्रकृति ने इस दुनिया में कई ऐसे अनूठे जीव बनाए हैं, जिनकी कार्यशैली और बुद्धि देखकर बड़े-बड़े वैज्ञानिक भी हैरान रह जाते हैं। हाल ही में ब्राजील के सेराडो क्षेत्र में एक ऐसा ही अविश्वसनीय मामला सामने आया, जिसने इंसानी होश उड़ा दिए। यहाँ वैज्ञानिकों ने 'अट्टा लेविगाटा' (Atta laevigata) प्रजाति की चींटियों द्वारा जमीन के नीचे बसाए गए एक विशालकाय और व्यवस्थित 'अंडरग्राउंड शहर' की खोज की है। इस खोज ने यह साबित कर दिया है कि चींटियां केवल छोटी कीट नहीं हैं, बल्कि उनके पास एक बेहतरीन 'कलेक्टिव इंटेलिजेंस' (सामूहिक बुद्धि) होती है।



इस हैरान करने वाली भूमिगत संरचना का सटीक नक्शा बाहर निकालने के लिए ब्राजील के प्रोफेसर लुइज कार्लोस फोर्टी और उनकी शोध टीम ने एक अनूठा तरीका अपनाया। उन्होंने चींटियों के इस विशाल और खाली पड़े घोंसले के अंदर करीब 10 टन तरल (लिक्विड) सीमेंट डाला। सीमेंट को घोंसले के हर छोटे-छोटे कोने और सुरंग तक पहुँचने में लगभग 10 दिन का समय लगा। जब सीमेंट पूरी तरह सूख गया, तो वैज्ञानिकों ने आसपास की मिट्टी को धीरे-धीरे हटाकर उस छिपी हुई दुनिया को बाहर निकाला। पारंपरिक खुदाई के बजाय इस सीमेंट कास्टिंग तकनीक की वजह से चींटियों के शहर का एक-एक रास्ता, कमरा और गहराई बिल्कुल सुरक्षित बाहर आ गई।

वैज्ञानिकों के अनुसार, चींटियों का यह भूमिगत महानगर जमीन के अंदर लगभग 26 फीट (8 मीटर) की गहराई तक और 500 वर्ग फीट के विशाल क्षेत्र में फैला हुआ था। इस पूरी कॉलोनी को बनाने के लिए लाखों चींटियों ने मिलकर लगभग 40 टन मिट्टी को खोदकर जमीन से बाहर निकाला था।

इस शहर में स्वच्छता का भी पूरा ख्याल रखा गया था। बीमारियों और परजीवियों से बचने के लिए चींटियों ने मुख्य कॉलोनी से दूर 'रिफ्यूज चेंबर्स' (कचरा घर) बनाए थे, जहां सड़ी-गली पत्तियों और मृत चींटियों को डालकर बंद कर दिया जाता था। इसके अलावा, जमीन के अंदर ऑक्सीजन का संचार बनाए रखने के लिए एक प्राकृतिक 'चिमनी इफ़ेक्ट' काम करता था।

चींटियों की यह कलाकारी यह सिखाती है कि बिना किसी नक्शे, कंप्यूटर या इंजीनियर के भी एक स्मार्ट और सुरक्षित शहर कैसे बसाया जा सकता है। वर्तमान में वैज्ञानिक इस बात का अध्ययन कर रहे हैं कि चींटियों की यह मिट्टी इंजीनियरिंग इंसानी निर्माण और वास्तुकला में कैसे मददगार साबित हो सकती है।

ट्रस्ट की 21वीं सामान्य बैठक में लिए गए कई अहम निर्णय, नदी किनारे से हटाए जाएंगे अतिक्रमण

अब नर्मदा उद्गम मंदिर के मूल पौराणिक स्वरूप की होगी पुनर्स्थापना, जीरो डिस्चार्ज-नो कंस्ट्रक्शन जोन पर जोर

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

अमरकंटक स्थित मां नर्मदा के उद्गम स्थल को उसके मूल एवं पौराणिक स्वरूप में विकसित करने के लिए मंदिर ट्रस्ट ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने, नो कंस्ट्रक्शन जोन लागू करने, जल की शुद्धता बनाए रखने और जीरो डिस्चार्ज व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया है।

श्री नर्मदा मंदिर (नर्मदा उद्गम) ट्रस्ट की 21वीं सामान्य बैठक नगर परिषद अमरकंटक के सभाकक्ष में ट्रस्ट अध्यक्ष एवं शहडोल संभाग आयुक्त सुरभि गुप्ता की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सांसद हिमाद्री सिंह, विधायक फुंदेलाल सिंह, कलेक्टर रत्नाकर झा, वन मंडलाधिकारी डेविड वेंकट राव चनाप सहित ट्रस्ट सदस्य उपस्थित रहे।



जल की शुद्धता, गुणवत्ता और संरक्षण पर विशेष जोर

बैठक में प्राचीन मंदिरों व सांस्कृतिक स्थलों के दस्तावेजीकरण एवं संरक्षण का निर्णय लिया गया। उद्गम कुंड और स्नान क्षेत्र के पानी की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से मासिक सैंपलिंग कराई जाएगी। मंदिर परिसर से निकलने वाले पानी और पूजन सामग्री का वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन किया जाएगा।

सुविधाओं का होगा विस्तार

मंदिर एवं उद्गम क्षेत्र के आसपास अनाधिकृत अतिक्रमण और सीमेंट-कंक्रीट संरचनाओं को चिह्नित कर चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा। मंदिर के प्रवेश और निकास द्वार को पौराणिक स्वरूप के अनुरूप भव्य बनाने तथा काऊ कैचर लगाने का निर्णय लिया गया।

बनेगी पानी की टंकी, माई की बगिया भी संवरेगी

इसके अलावा मंदिर प्रांगण और माई की बगिया का पारंपरिक स्वरूप बहाल करने, कोटि तीर्थ घाट के दोनों ओर शेड बनाने, माई की बगिया के पूजा मंडप में ग्रिल लगाने, यज्ञशाला और धूना शेड की मरम्मत, रसोई शेड तथा पानी की टंकी स्थापित करने पर भी ट्रस्ट के सदस्यों ने सहमति दी। अमरकंटक सीवरेज योजना को मजबूत करने और यातायात व्यवस्था सुधारने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में ट्रस्ट का वार्षिक आय-व्यय विवरण भी प्रस्तुत किया गया।

मुहूर्त सौदे..पहले दिन 100 करोड़ का कारोबार



इंदौर। संयोगितागंज स्थित इंदौर अनाज मंडी में दीपावली के मुहूर्त सौदों के दौरान खासा उत्साह देखने को मिला। शहर के प्रमुख राजनीतिक, औद्योगिक घरानों और मिल संचालकों ने मंडी में अपनी दस्तक दी। परंपरा के अनुसार भगवान जगन्नाथ व महालक्ष्मी जी की आरती कर नए व्यापार की शुरुआत की गई। पारंपरिक वेशभूषा में आए व्यापारियों व किसानों की आशाओं के बीच मुहूर्त के सौदों का उत्साह छाया। मुहूर्त में करीब 100 करोड़ का व्यापार हुआ। करीब 3500 से 4000 लोगों ने मंडी प्रागण में अपनी दस्तक दी। मुहूर्त सौदों के साथ ही व्यापारियों ने नए कारोबारी वर्ष के लिए सुख-समृद्धि और बेहतर व्यापार की कामना की। मंडी में इस दौरान उत्सवी माहौल रहा।

न्यूज विंडो

रात्रिकालीन सफाई से सुबह चमकने लगीं नर्मदापुरम की सड़कें



नर्मदापुरम। शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर पालिका ने रात्रिकालीन सफाई अभियान शुरू किया है। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव और सीएमओ वैभव देशमुख के निर्देश पर प्रमुख बाजारों और मुख्य मार्गों की रात में सफाई कराई जा रही है। इसका असर सुबह सड़कों पर दिखाई देने लगा है। स्वच्छता नोडल अधिकारी अनुराग तिवारी ने बताया कि पिछले दो दिनों से सफाई मित्रों की टीमें रात में सफाई कर रही हैं। बुधवार रात सतरस्ता, इंदिरा चौक, जयस्तंभ चौक और मेन रोड पर झाड़ू लगाने के साथ कचरा उठाया गया। कार्तिक माह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु अलसुबह नर्मदा स्नान के लिए घाटों पर पहुंचते हैं। उनकी सुविधा के लिए यह व्यवस्था नियमित जारी रहेगी। नगर पालिका ने दुकानदारों और नागरिकों से कचरा निर्धारित डस्टबिन या संग्रहण वाहन में डालने की अपील की है।

शिव-पार्वती विवाह में गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे



गंजबासौदा। शीतला माता मंदिर प्रांगण में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन कथा व्यास आचार्य पंडित विकास आनंद ऐलिया ने शिव-पार्वती विवाह प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा, शिव-पार्वती विवाह दो शक्तियों का मिलन ही नहीं, बल्कि पूरे ब्रह्मांड का विवाह है। माता पार्वती की तपस्या और भगवान शिव की बारात का प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए। इस अवसर पर शिव-पार्वती की मनमोहक झांकी सजाई गई। श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर विवाह उत्सव मनाया। पूरा कथा पंडाल हर-हर महादेव और माता पार्वती के जयकारों से गूंज उठा।

मंडीदीप: पुलिस व जेलों की शिकायतें आयोग तक पहुंचाएंगे आयोग मित्र



मंडीदीप। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने बब्लू यादव को रायसेन जिले का आयोग मित्र नियुक्त किया है। दो वर्षों तक वे पुलिस, अस्पताल, जेलों, महिलाओं, बच्चों और श्रमिकों से जुड़े मानवाधिकार उल्लंघन के मामलों में पीड़ितों की मदद करेंगे। साथ ही गांवों और शिक्षण संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम चलाकर लोगों को उनके अधिकारों की जानकारी देंगे।

जबलपुर में महिला एएसपी ने लगाया गंभीर आरोप

'रेडियो एसपी ने नौकरी से हटाने की दी धमकी, किया ट्रांसफर'

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

जबलपुर पुलिस रेडियो विभाग के एसपी सुनील राजोरे पर महिला सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) ने मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। महिला ने आईजी को लिखित शिकायत देकर बताया कि अधिकारी बिना वजह रोजाना 2 से 3 घंटे मीटिंग लेते हैं। इस दौरान कर्मचारियों के सामने काम चोर, बदमाश और मक्कार जैसे अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं। महिला का आरोप है कि काम से संबंधित नोटशीट और पत्रों में आपत्तियां लगाने के बाद सुधार कराने पर भी फाइलों पर हस्ताक्षर नहीं किए जाते। इसके बाद स्पष्टीकरण लेकर कभी चेतावनी तो कभी निंदा की सजा दी जाती है।

महिला का दावा है कि विभाग के छह कर्मचारी इस व्यवहार से परेशान हैं। उन्होंने पहले भी वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की थी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। शिकायत के बाद उनका ही ट्रांसफर कर दिया गया। उन्होंने अधिकारी पर जांच कराने और सेवा से हटाने की धमकी देने का आरोप लगाया है। महिला के मुताबिक, इससे पारिवारिक जीवन और शासकीय कामकाज प्रभावित हो रहा है। आईजी ने शिकायत की जांच एएसपी स्तर के अधिकारी को सौंपी है।

महिला अफसर की शिकायत के बाद जबलपुर एएसपी को सौंपी जांच



फाइलों में आपत्ति लगा साइन नहीं करते

शिकायतकर्ता महिला ने बताया कि जब वह काम से संबंधित नोटशीट और पत्र लेकर अधिकारी के पास जाती हैं, तो उनमें बिना वजह आपत्तियां लगाई जाती हैं। अधिकारी के कहने पर सुधार करने के बाद भी फाइलों पर हस्ताक्षर नहीं किए जाते। इसके बाद उनका स्पष्टीकरण लिया जाता है। कभी चेतावनी तो कभी निंदा की सजा दी जाती है।

प्रभारी को दी छुट्टी मुझसे कराया काम

महिला के मुताबिक, इस तरह की परेशानी सिर्फ उन्हें नहीं, बल्कि विभाग के अन्य कर्मचारियों को भी हो रही है। उनके जैसे छह कर्मचारी परेशान हैं। स्थापना शाखा के प्रभारी को आए दिन छुट्टी पर भेज दिया जाता है और उनका काम भी उन्हें ही करना पड़ता है। महिला ने शिकायत में कहा कि इस स्थिति से उनका पारिवारिक जीवन और शासकीय कामकाज दोनों प्रभावित हो रहे हैं।

वार्षिक टीप के काम में भी विवाद का आरोप

महिला ने शिकायत में बताया कि उन्होंने आरक्षक से लेकर प्रधान आरक्षक तक की वार्षिक टीप का काम पूरा किया था। इसके बावजूद अधिकारी ने इस काम को लेकर आपत्ति जताई और उन पर लापरवाही के आरोप लगाए। महिला के मुताबिक, उन्होंने विभागीय व्यवस्था के अनुसार काम किया था, लेकिन इसके बाद भी उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया। महिला ने शिकायत में कहा कि स्थापना शाखा के प्रभारी को आए दिन छुट्टी पर भेज दिया जाता है और उनका काम भी उनसे कराया जाता है। उन्होंने बताया कि उनके पास पहले से ही सेवा पुस्तिका और अवकाश शाखा का प्रभार है। ऐसे में अतिरिक्त जिम्मेदारी से उनका काम प्रभावित हो रहा है। महिला ने कहा कि अधिकारी उन्हें बार-बार जांच कराने और सेवा से हटाने की धमकी देते हैं। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों से मामले में समाधान कराने की मांग की है। रेडियो विभाग में पदस्थ महिला कर्मचारी ने 20 जून 2026 को वरिष्ठ अधिकारियों को लिखित शिकायत दी थी। मानसिक प्रताड़ना व कार्यस्थल पर अपमानजनक व्यवहार के आरोप लगाए थे।

बाइक से 62 लीटर कच्ची शराब लेकर जा रहा था आरोपी

गुना में 1.20 लाख का इनामी कुख्यात बदमाश अवैध शराब के साथ गिरफ्तार



गुना। दोपहर मेट्रो

धरनावदा थाना पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी करते हुए 1.20 लाख रुपए के इनामी कुख्यात बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी मोटरसाइकिल पर दो प्लास्टिक के कैनों में 62 लीटर कच्ची हाथ भट्टी शराब लेकर बिक्री के लिए जा रहा था। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे रानीपुरा गांव की पुलिया के पास से दबोच लिया। कार्रवाई में 6,200 रुपए की शराब और एक लाख रुपए कीमत की मोटरसाइकिल सहित कुल 1.06 लाख रुपए का माल जब्त किया गया है।

रुठियाई चौकी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी। इसके बाद टीम ने घेराबंदी कर बाइक सवार को रोका। पूछताछ में उसकी पहचान कनारी गांव निवासी अभिषेक पारदी (26) के रूप में हुई। आरोपी के खिलाफ राजगढ़ जिले के कोतवाली थाने में चार गंभीर मामले दर्ज हैं। इनमें गिरफ्तारी पर भोपाल देहात जोन के आईजी ने प्रत्येक मामले में 30 हजार रुपए, यानी कुल 1.20 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था।

आरोपी पर पहले से दर्ज हैं 12 आपराधिक केस

पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ मध्यप्रदेश और राजस्थान में 12 अपराध दर्ज हैं। इनमें गुना, अशोकनगर, राजगढ़ और देवास जिलों के अलावा राजस्थान के बारां जिले के छीपाबड़ौद थाने के मामले शामिल हैं। वह इतना दुर्दांत आरोपी है कि सामान्य मारपीट के ही नहीं, बल्कि डकैती, लूट, चोरी, मारपीट और अवैध हथियार रखने जैसे गंभीर आरोप हैं। अब पुलिस ने ताजा मामले में आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

परिजन बोले-धान से भरी ट्रॉली-ट्रैक्टर ले जा रहे थे फाइनेंसर

किस्त के लिए मोहलत नहीं मिली तो किसान ने खाया जहरीला पदार्थ

विदिशा। दोपहर मेट्रो

ट्रैक्टर की बकाया किस्त जमा करने के लिए एक-दो दिन की मोहलत नहीं मिलने पर किसान ने जहरीला पदार्थ खा लिया। गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों के अनुसार उसकी स्थिति फिलहाल स्थिर है।

घटना गुलाबगंज क्षेत्र के चित्रराय मुंदरी गांव की है। किसान मलखान सिंह मीणा (28) के बड़े भाई समंदर सिंह ने बताया कि मलखान ने फाइनेंस पर ट्रैक्टर लिया था और उसकी चार किस्तें जमा कर चुका था। अगली किस्त चुकाने के लिए परिवार धान बेचने की तैयारी कर रहा था। गुरुवार को फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी कुछ अन्य लोगों



के साथ गांव पहुंचे। उस समय ट्रॉली में धान भरा जा रहा था। परिजनों का आरोप है कि धान बेचकर अगले दिन किस्त जमा करने का भरोसा देने के बावजूद कर्मचारी ट्रॉली सहित ट्रैक्टर ले जाने लगे। विरोध करने पर मलखान से धक्का-मुक्की और अभद्रता की गई। इसी दौरान उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कलेक्टर नाराज: पांच दिसंबर तक सुधारने की डेडलाइन, इसके बाद कार्रवाई

सीवरेज रेस्टोरेशन में 70 फीसदी काम घटिया, 48 किमी सड़कें खराब मिलीं

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

शहर में सीवरेज परियोजना के तहत खोदी गई सड़कों के रेस्टोरेशन की गुणवत्ता की पोल जिला स्तरीय सर्वेक्षण में खुल गई है। 71 किलोमीटर से अधिक सड़कों के निरीक्षण में 48 किलोमीटर से ज्यादा का रेस्टोरेशन खराब मिला। करीब 70 प्रतिशत काम औसत से कम गुणवत्ता का पाया गया। इस पर कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने नाराजगी जताते हुए एमपीयूडीसी अधिकारियों को 5 दिसंबर तक सभी खराब सड़कों का गुणवत्तापूर्ण रेस्टोरेशन कराने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने कहा कि 20 नवंबर से 5 दिसंबर के बीच सुधार कार्य पूरा किया जाए। समयसीमा में काम नहीं होने पर संबंधित कंपनी और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। रेस्टोरेशन पूरा होने के बाद उसी जिला स्तरीय दल से दोबारा निरीक्षण कराया जाएगा, जिसने पहले सर्वे किया था। प्रभावित वार्डों के रहवासियों से भी फीडबैक लिया जाएगा। गुणवत्ता में कमी मिलने पर कंपनी की जवाबदेही तय होगी।



पहले पुरानी सड़कें सुधारें, फिर नया काम

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि पहले पूर्व में खोदी गई सड़कों की मरम्मत और गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए, उसके बाद ही नए स्थानों पर सीवरेज कार्य शुरू हों। स्पष्ट किया कि परियोजना के नाम पर नागरिकों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। लापरवाही मिलने पर जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी।

फायर ब्रिगेड ने बुझाई आग

गैस सिलेंडर की नली फटने से मकान में लगी आग, 7 लोग झुलसे

बुरहानपुर। गणपति थाना क्षेत्र के लोहार मंडी रोड पर कल देर रात रसोई गैस सिलेंडर की नली फटने से मकान में आग लग गई। इस घटना में परिवार के तीन लोग झुलस गए। आग की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड वाहन मौके पर पहुंचे। जिससे आग पर तुरंत काबू पाया। मो. शरीफ के मकान में यह घटना हुई। आग लगने का कारण सिलेंडर रेगूलेटर की नली का फटना है। नली से गैस रिसाव होने के कारण आग ने तेजी से पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। आग बुझाने के प्रयास में परिवार के तीन लोग झुलस गए। आग की सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड से आग को नियंत्रित कर लिय। घटना में शेख इमरान, अब्दुल मलिक, सगीर, जाहिर, शेख अयान आदि घायल हुए हैं।

मेट्रो एंकर | छठ महापर्व : दो दशक में रोजगार की तलाश में आए लोगों ने यहीं बनाया आशियाना

इंदौर में 'छोटा बिहार', आज से उमड़ेगी पूर्वांचल के लोगों की आस्था

इंदौर। दोपहर मेट्रो

रोजगार और बेहतर भविष्य की तलाश में देश के अलग-अलग हिस्सों से लोग इंदौर आए, लेकिन बिहार, उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल और झारखंड से आए लोगों ने यहां अपनी एक अलग सांस्कृतिक पहचान भी बना ली है। करीब 5 लाख से ज्यादा पूर्वांचलवासी इंदौर और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में रह रहे हैं। छठ महापर्व इनके लिए केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि अपनी मिट्टी, संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का अवसर भी है। शुक्रवार से शुरू हो रहे चार दिवसीय छठ पर्व के साथ शहर में एक बार फिर पूर्वांचल की सांस्कृतिक छटा दिखाई देगी। शहर के करीब 200 घाटों पर सामूहिक पूजन की तैयारियां हैं। विजय नगर से लेकर



पीथमपुर-देवास के औद्योगिक क्षेत्र

बाणगंगा तक हजारों श्रद्धालु सूर्य उपासना के इस पर्व में शामिल होंगे। पूर्वोत्तर सांस्कृतिक संस्थान मप्र के अध्यक्ष ठाकुर जगदीश सिंह ने बताया कि पिछले करीब दो दशक में इंदौर में पूर्वांचल के लोगों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। शहर का शायद ही कोई वार्ड हो, जहां पूर्वांचल के लोग नहीं रहते हों। इसकी बड़ी वजह रोजगार के अवसर हैं। इंदौर के साथ पीथमपुर और देवास के औद्योगिक क्षेत्रों में भी बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और झारखंड के बड़ी संख्या में लोग काम कर रहे हैं।

जाति व वर्ग से ऊपर जोड़ता है छठ

पूर्वांचल समुदाय में ब्राह्मण, राजपूत, अग्रवाल सहित विभिन्न सामाजिक समूहों के लोग शामिल हैं। अलग-अलग सामाजिक पृष्ठभूमि के बावजूद छठ ऐसा पर्व है, जो सभी को एक साथ जोड़ता है। यही वजह है कि सामूहिक आयोजनों में बड़ी संख्या में परिवार एकत्र होते हैं। इस दौरान परिवार के सदस्य व्रतियों के साथ घाटों तक पहुंचते हैं और पारंपरिक तरीके से सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते हैं।

चार दिसंबर को राजधानी में विशाल जनआह्वान

गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने उठी आवाज, 500 वाहनों से भोपाल पहुंचेंगे गौभक्त

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर 4 दिसंबर को भोपाल में विशाल जनआह्वान किया जाएगा। गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत विदिशा जिले से 500 वाहनों के साथ गौभक्तों के भोपाल पहुंचने का संकल्प लिया गया है। कल बरेठ रोड स्थित रघुवंशी धर्मशाला में आयोजित जिला स्तरीय बैठक में राजस्थान से आए सनातन शरण महाराज ने गौभक्तों से अभियान में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि जब तीन तलाक पर कानून बन सकता है, धारा 370 हट सकती है और राम मंदिर का निर्माण हो सकता है, तो गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने के लिए कानून क्यों नहीं बन सकता?



महाराज ने कहा कि गौवंश का संरक्षण केवल धार्मिक विषय नहीं, बल्कि कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और संस्कृति से भी जुड़ा है। उन्होंने गांव-गांव हस्ताक्षर अभियान चलाने और जनजागरूकता बढ़ाने की अपील की।

बैठक में विभिन्न संतों एवं धर्माचार्यों ने विचार रखे। डॉ. अभिषेक कृष्ण शास्त्री ने भोपाल जाने वाले गौभक्तों के लिए वाहन और भोजन सेवा देने की घोषणा की। बैठक में बड़ी संख्या में गौभक्त एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दीपावली के बाद से अब तक नहीं हुई सफाई, नगर परिषद और विद्यालय प्रबंधन की लापरवाही से मैदान में फैली गंदगी

बच्चों का खेल मैदान बना डंपिंग साइट, पटाखों के अपशिष्ट के बीच मवेशियों की जान भी जोखिम में

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का खेल मैदान इन दिनों कचरे और गंदगी का अड्डा बना हुआ है। दीपावली के अवसर पर मैदान में लगी पटाखों की दुकानों के हटने के बाद वहां बड़ी मात्रा में खाली पैकेट, प्लास्टिक, कागज और अन्य अपशिष्ट बिखरा पड़ा है। त्योहार बीते कई दिन हो चुके हैं, लेकिन अब तक नगर परिषद व स्कूल प्रबंधन की ओर से सफाई नहीं कराई गई। इससे स्वच्छता व्यवस्था और जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।



पटाखों के कचरे के बीच मवेशियों का जमावड़ा

मैदान में फैले कचरे के बीच मवेशी घूमते और उसे खाते नजर आ रहे हैं। पटाखों के खाली पैकेट, प्लास्टिक और रासायनिक अवशेष पशुओं के स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। पटाखों में मौजूद बारूद और अन्य रसायनों के संपर्क में आने या उन्हें निगलने से मवेशियों की सेहत पर गंभीर असर पड़ने की आशंका है। ऐसे में सवाल उठता है कि इन बेजुबान पशुओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है?

खेल के मैदान पर मवेशियों ने जमा लिया कब्जा

विद्यालय का यह मैदान विद्यार्थियों के खेलकूद और शारीरिक गतिविधियों के लिए है, लेकिन इन दिनों यहां चरवाहे अपने मवेशियों को खुला छोड़ रहे हैं। मैदान में गोबर, गंदगी और कचरे के ढेर के कारण विद्यार्थियों को खेलने में परेशानी हो रही है। जिस स्थान पर बच्चों को खेलना और अभ्यास करना चाहिए, वहां मवेशियों का जमावड़ा लगा है। लोगों और अभिभावकों ने नगर परिषद तथा विद्यालय प्रबंधन से तत्काल मैदान की सफाई कराएं।

10 नवंबर की शाम घर से निकला था मासूम, पुलिस और ग्रामीणों की टीमें दिन-रात कर रहीं तलाश

48 घंटे से लापता 10 साल के बच्चे का सुराग नहीं, वघातला कांड की याद से दहशत में लोग

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेजगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम गूढ़ा से लापता 10 वर्षीय अभिषेक अहिरवार का 48 घंटे से अधिक समय बीतने के बाद भी कोई सुराग नहीं मिला है। मासूम के लापता होने से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। मां-बाप बेटे की सुरक्षित वापसी की आस लगाए बैठे हैं। पूरे गांव में चिंता और भय का माहौल है। वहीं, करीब डेढ़ साल पहले वघातला में दो मासूम बच्चों की मौत की अनसुलझी घटना ने ग्रामीणों की आशंका और बढ़ा दी है।



शाम 5 बजे घर से निकला, फिर नहीं लौटा

लोकमन अहिरवार का बेटा अभिषेक 10 नवंबर 2026 की शाम करीब 5 बजे घर से निकला था। देर शाम तक वापस नहीं आने पर परिजनों ने गांव, रिश्तेदारों के घर, खेत, कुएं और तालाब सहित आसपास के इलाकों में तलाश की। कोई जानकारी नहीं मिलने पर तेजगढ़ थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई।

तेंदूखेड़ा एसडीओपी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। थाना प्रभारी अरविंद सिंह की टीम गांव, जंगलों, नदी-नालों और संभावित रास्तों पर तलाश कर रही है। तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र के वघातला गांव में 14 मई 2025 को लापता हुए चार वर्षीय चचेरे भाइयों नमन और देवांश के शव आठ दिन बाद 22 मई को गांव से करीब आठ किलोमीटर दूर सांभरलोट नाले के पास जंगल में मिले थे। घटना का रहस्य अब तक नहीं सुलझा है।

न्यूज विंडो

रीछन के सरकारी स्कूल में चोरी, ताला तोड़कर गैस सिलेंडर और राशन ले गए चोर



सिरोंज। शहर के बाद अब चोरों ने गांवों के सरकारी स्कूलों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। रीछन गांव की शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला में दीपावली की छुट्टियों के दौरान चोरी हो गई। चोर स्कूल के किचन का ताला तोड़कर गैस सिलेंडर, आटा और गेहूं सहित मध्याह्न भोजन का राशन ले गए। गुरुवार को छुट्टियां समाप्त होने पर स्कूल पहुंचे शिक्षकों को चैनल गेट और किचन के ताले टूटे मिले। अंदर जांच करने पर सामान गायब मिला। शिक्षकों ने ग्रामीणों से चर्चा के बाद सिरोंज थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है।

बिना बीमा चल रही स्कूल बस जब्त, तीन यात्री बसों पर 51 हजार का जुर्माना

सागर। त्योहारों के दौरान अधिक किराया वसूली, ओवरलोडिंग और सुरक्षा मानकों की अनदेखी के खिलाफ परिवहन विभाग ने सीहोरा टोल के पास बसों की जांच की। इस दौरान भोपाल से दिल्ली के बीच संचालित ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट वाली बस में अलग-अलग स्थानों से यात्रियों को बैठाकर परमिट शर्तों का उल्लंघन पाया गया। बस का परमिट निरस्त करने के लिए प्रतिवेदन भेजा गया है। साथ ही 46 हजार रुपए कर, शास्ति और शमन शुल्क लगाया गया। बिना बीमा चल रही स्कूल बस जब्त की गई, जबकि तीन यात्री बसों पर ओवरलोडिंग और सुरक्षा मानकों की कमी के चलते 51 हजार रुपए शमन शुल्क लगाया गया।



अमरकंटक में प्रेम प्रसंग के चलते 22 वर्षीय युवक की संदिग्ध मौत

अमरकंटक। अनूपपुर जिले की पवित्र नगरी अमरकंटक में गुरुवार सुबह 22 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। मृतक की पहचान वार्ड क्रमांक 11 बैंकटोला निवासी अतुल साकेत (22), पिता स्वर्गीय सुंदरलाल साकेत के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह करीब 7 बजे परिजनों ने अतुल को घर की छत पर लोहे की पाइप से कपड़े के सहारे लटका देखा। परिजन तत्काल उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि अतुल का एक युवती से प्रेम संबंध था और वह उसे अपने साथ गुजरात के सूरत ले जाना चाहता था, लेकिन युवती इसके लिए तैयार नहीं थी। इसी बात को लेकर तनाव की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। अमरकंटक पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया।



एंबुलेंस लौटाने, मारपीट के लिए लाठियां निकालने का आरोप

मप्र शासन लिखी बोलेरो-स्विफ्ट में भिड़ंत, कांग्रेस नेता सहित दो की मौत

खंडवा। दोपहर मेट्रो

खंडवा जिले के पिपलोद थाना क्षेत्र में रात करीब 12 बजे तेज रफ्तार बोलेरो और स्विफ्ट डिजायर कार आमने-सामने भिड़ गईं। हादसे में दोनों गाड़ियों के ड्राइवर बुरहानपुर के खकनार निवासी कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अजय महाजन और खंडवा के रामपुरा गांव निवासी 40 वर्षीय श्रवण की मौत हो गई। दोनों वाहनों में सवार चार अन्य लोग घायल हुए हैं, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बीच एक विवाद भी सामने आया है, जिसमें घायलों को अस्पताल ले जाने आई एंबुलेंस को वापस लौटाने के आरोप लगे हैं। खकनार के कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अजय महाजन अपने भांजे अक्षय चौधरी और एक अन्य व्यक्ति के साथ पूर्व सांसद अरुण यादव के दिवाली मिलन समारोह में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम के बाद वे खुद स्विफ्ट डिजायर कार चलाकर घर लौट रहे थे, तभी लछोरा गांव के पास सामने से आ रही बोलेरो से टक्कर हो गई।



दिवाली पर ही खरीदी थी सेकंड हैंड बोलेरो

बोलेरो चला रहे श्रवण के परिजन के मुताबिक, उसने इसी दिवाली पर सेकंड हैंड बोलेरो खरीदी थी। गुरुवार रात वह अपने एक दोस्त को छोड़ने सिंगोट गया था और वहां से लौटते समय यह हादसा हो गया। हादसे में स्विफ्ट कार सवार अजय के भांजे अक्षय को मामूली चोटें आई हैं, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल है।

कार में फंसे लोग गंभीर रूप से घायल

घायल अक्षय ने बताया कि टक्कर के बाद कार में फंसे लोग गंभीर रूप से घायल थे। मदद के लिए एंबुलेंस बुलाई गई, लेकिन मौके पर पहुंची एंबुलेंस को बोलेरो सवार लोगों ने विवाद करते हुए वापस भेज दिया। आरोप है कि उन्होंने मारपीट के लिए लाठियां भी निकाल ली थीं। हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित कर सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। जिस बोलेरो से टक्कर हुई, उस पर 'मध्यप्रदेश शासन' लिखा हुआ था। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों और एंबुलेंस लौटाने के आरोपों की जांच शुरू कर दी है।

अरुण यादव के नहीं पहुंचने पर नाराजगी

शुक्रवार सुबह जिला अस्पताल में दोनों मृतकों के पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू की गई। घटना की सूचना मिलते ही अजय महाजन की पत्नी और परिजन अस्पताल पहुंचे। पोस्टमॉर्टम रूम के बाहर बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता मौजूद थे। इस दौरान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव के अस्पताल नहीं पहुंचने को लेकर चर्चा होती रही। जिस दिवाली मिलन समारोह में अजय महाजन शामिल हुए थे, उसका आयोजन अरुण यादव ने किया था। घटना के समय अरुण यादव खंडवा में ही थे। सूचना मिलने के बाद भी वे जिला अस्पताल नहीं पहुंचे और सीधे खरगोन के लिए रवाना हो गए। इस बात को लेकर उनके समर्थकों में भी नाराजगी देखी गई। वहीं खंडवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष उत्तमपाल सिंह पुरनी देर रात भोपाल से लौटकर अस्पताल पहुंचे और शव को मर्च्यरी में शिफ्ट कराया।

अवैध शराब पर रोक के लिए हाई अलर्ट मोड में काम करें अधिकारी : कमिश्नर

सागर। दोपहर मेट्रो

संभाग में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए संभाग कमिश्नर दिलीप कुमार एवं आईजी इरशाद वली ने आबकारी और पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। कमिश्नर ने कहा कि सभी आबकारी अधिकारी हाई अलर्ट मोड में सतर्कता के साथ काम करें और अवैध मदिरा के कारोबार में शामिल लोगों को चिह्नित कर कठोर कार्रवाई करें। कमिश्नर ने आगामी दो दिनों में सभी जिलों की शराब दुकानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने के निर्देश दिए। दुकानों के पिछले हिस्से और आसपास के क्षेत्रों में भी कैमरों से निगरानी सुनिश्चित की जाएगी।

निगरानी के दिए निर्देश

अवैध शराब निर्माण और बिक्री के संदिग्ध गांवों में सप्ताह में दो बार निरीक्षण कर कार्रवाई करने को कहा गया है। इसके लिए संयुक्त टीमें गठित कर फील्ड में भेजी जाएंगी। थिनर और एथेनॉल की उपलब्धता वाले औद्योगिक क्षेत्रों एवं प्रतिष्ठानों पर भी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। सिंथेटिक शराब की गतिविधियों पर नजर रखने के साथ खाद्य सुरक्षा और पुलिस विभाग को भी संयुक्त कार्रवाई में शामिल किया जाएगा। बैठक में लंबित विभागीय और न्यायालयीन प्रकरणों, आबकारी राजस्व की बकाया राशि तथा सीएम हेल्पलाइन की 100 दिन से अधिक लंबित शिकायतों की समीक्षा कर समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए गए। बैठक में सहायक आबकारी आयुक्त वंदना पांडे और एडिशनल एसपी जयवीर सिंह भदौरिया सहित अधिकारी मौजूद रहे।

धार: 2024 से कर रहा था शोषण, इनकार के बाद दर्ज कराया केस

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

शादी का झांसा देकर युवती का शारीरिक शोषण करने के मामले में धामनोद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी वर्ष 2024 से युवती को शादी का भरोसा देकर अलग-अलग स्थानों पर उसके साथ शारीरिक संबंध बना रहा था। बाद में शादी से इनकार करने पर पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने 4 नवंबर 2026 को धामनोद थाने पहुंचकर शिकायत की थी। उसने बताया कि वर्ष 2023 में उसकी पहचान ग्राम लालबाग निवासी राकेश मालीवाड़ (29) से हुई थी। आरोपी ने 17 जनवरी 2024 से शादी का आश्वासन देकर कई बार उसका शोषण किया। 5 अक्टूबर 2026 को परिजनों ने दोनों को साथ देखा और आरोपी से शादी करने को कहा, लेकिन उसने इनकार कर दिया



और बातचीत भी बंद कर दी। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी राकेश पिता सुखलाल मालीवाड़ के खिलाफ अपराध क्रमांक 565/2026, धारा 69 बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया। थाना प्रभारी संतोष सिंह यादव के नेतृत्व में टीम गठित कर मुखबिर सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। कार्रवाई एएसपी विजय डावर और एसडीओपी अर्चना रावत के मार्गदर्शन में हुई। गिरफ्तारी में उपनिरीक्षक दीपिका बामनिया सहित थाना स्टाफ की भूमिका रही। पुलिस आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

सागर जिले में 17.06 लाख मतदाता

9.05 लाख पुरुष और 8.01 लाख महिलाएं

मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन, 11 दिसंबर तक दर्ज करा सकेंगे दावे-आपत्तियां

सागर। दोपहर मेट्रो

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के तहत 12 नवंबर को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपिल कुमार यादव की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित हुई। इसमें प्रतिनिधियों को प्रारूप मतदाता सूची सौंपी गई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी आरती यादव ने बताया कि जिले में कुल 17 लाख 6 हजार 393 मतदाता हैं। इनमें 9 लाख 5 हजार 53 पुरुष और 8 लाख 1 हजार 316 महिलाएं शामिल हैं। जिले का जेंडर रेशो 885 है। वहीं 18 से 19 वर्ष आयु के 13 हजार 393 नए मतदाता, 85 वर्ष से



अधिक उम्र के 10 हजार 699 और 13 हजार 697 दिव्यांग मतदाता हैं।

प्रारूप मतदाता सूची पर 12 नवंबर से 11 दिसंबर तक दावे एवं आपत्तियां दर्ज कराई जा सकेंगी। इनका निराकरण 28 दिसंबर तक किया जाएगा। नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए 21, 22 नवंबर तथा 5 और 6 दिसंबर को मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर लगाए जाएंगे। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को होगा। बैठक में कलेक्टर ने राजनीतिक दलों से पुनरीक्षण कार्य में सहयोग की अपील की। इस दौरान भाजपा, कांग्रेस, बसपा, माकपा और आम आदमी पार्टी के प्रतिनिधियों सहित अपर कलेक्टर अविनाश रावत एवं सिटी मजिस्ट्रेट शैलेष द्विवेदी मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर सिरोंज के सबलपुर ताल की सलोनी ने ब्लाइंड कैटेगरी में विश्व चैंपियनशिप में जीता सिल्वर

आंखों में रोशनी नहीं, लेकिन हौसलों में पूरी दुनिया जीतने का जुनून

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

दुनिया देखने के लिए आंखों की नहीं, बल्कि सपनों को पूरा करने के लिए मजबूत हौसलों की जरूरत होती है। इसे सच कर दिखाया है सिरोंज विकासखंड के छोटे से गांव सबलपुर ताल की बेटी सलोनी प्रजापति ने। दृष्टिबाधित होने के बावजूद सलोनी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा और ताकत का लोहा मनवाते हुए विश्व आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। उनकी यह उपलब्धि न केवल गांव और जिले, बल्कि उन तमाम बेटियों के लिए प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखती हैं। नई दिल्ली में 29 अक्टूबर से 7 नवंबर 2026 तक आयोजित 47वीं विश्व आर्म रेसलिंग एवं 28वीं विश्व पैरा आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में सलोनी ने 45 किलोग्राम भार वर्ग की ब्लाइंड कैटेगरी में बाएं हाथ से मुकाबला करते हुए रजत पदक हासिल किया। प्रतियोगिता में दुनिया के कई देशों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। पीपुल्स आर्म रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया और वर्ल्ड आर्म रेसलिंग फेडरेशन के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता के फाइनल में सलोनी का मुकाबला उज्बेकिस्तान की खिलाड़ी से हुआ, जहां उन्हें हार का सामना करना पड़ा।



पिता ने 70 हजार खर्च कर बेटी के सपनों को दी उड़ान

सलोनी प्रजापति, पिता शिवनारायण प्रजापति, ग्वालियर के आत्म ज्योति आवासीय दृष्टिहीन विद्यालय में अध्ययनरत हैं। विद्यालय की संचालिका शीला मोदी के मार्गदर्शन में उन्होंने प्रशिक्षण लिया। ग्वालियर आर्म रेसलिंग एकेडमी के कोच मनीष कुमार, अमित गोयल और आशा कुमार ने प्रतियोगिता की तैयारी कराई। सलोनी ने बताया कि फाइनल तक पहुंचने के लिए उन्हें तीन मुकाबलों में जीत मिली। फाइनल में उज्बेकिस्तान की खिलाड़ी से मुकाबला हुआ। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए उनके पिता ने करीब 70 हजार रुपए खर्च किए। पिता ने कभी उनके सपनों के रास्ते में आर्थिक स्थिति को बाधा नहीं बनने दिया। सलोनी का कहना है कि यदि सरकार से सहयोग और प्रोत्साहन मिले तो वे आगे भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए पदक जीतना चाहती हैं।

दो दृष्टिबाधित बेटियां, दोनों नेशनल मेडलिस्ट

सलोनी के पिता शिवनारायण प्रजापति किसान हैं। परिवार में सात बच्चे हैं, जिनमें पांच बेटियां और दो बेटे हैं। उनकी दो बेटियां खुशी और सलोनी दृष्टिबाधित हैं। दोनों ग्वालियर में रहकर पढ़ाई कर रही हैं और गोलबॉल में नेशनल मेडल जीत चुकी हैं। इसी वर्ष दोनों को किर्गिस्तान में प्रतियोगिता के लिए जाना था, लेकिन बीमारी के कारण उनका यह अवसर छूट गया। सीमित खेती और आर्थिक संसाधनों के बावजूद शिवनारायण ने बेटियों को आगे बढ़ने से कभी नहीं रोका। आज सलोनी की विश्वस्तरीय उपलब्धि ने साबित कर दिया है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन हों, मजबूत इरादों के सामने हर चुनौती छोटी पड़ जाती है। अब सलोनी को उम्मीद है कि सरकार उनकी प्रतिभा को पहचानकर आगे बढ़ने में मदद करेगी।

जनसुनवाई में लिखित आपत्तियां दर्ज नहीं होने पर उठे सवाल

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

आमाडांड ओपन कास्ट कोल परियोजना की उत्पादन क्षमता 4 से बढ़ाकर 6 मिलियन टन प्रतिवर्ष करने को लेकर आयोजित पर्यावरणीय जनसुनवाई की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों और आपत्तिकर्ताओं का आरोप है कि जनसुनवाई के दौरान प्रस्तुत उनकी लिखित आपत्तियों और शिकायतों को आधिकारिक कार्यवाही में दर्ज नहीं किया गया। इतना ही नहीं, संबंधित अधिकारियों और परियोजना प्रबंधन की ओर से उन्हें आपत्तियों पर कोई जवाब भी नहीं मिला। जनसुनवाई का उद्देश्य प्रभावित क्षेत्र के लोगों को प्रदूषण, जलस्रोत, कृषि भूमि, स्वास्थ्य और विस्थापन जैसे मुद्दे उठाने का अवसर देना है। ऐसे में लिखित शिकायतें दर्ज नहीं होने से पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उत्पादन क्षमता बढ़ने से धूल प्रदूषण, ब्लास्टिंग, भूजल और वायु गुणवत्ता पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों को लेकर भी स्थानीय लोगों की चिंताएं हैं।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम Gotam singh kaurav था। किंतु अब मेरा नाम परिवर्तित होकर Gautam Singh kaurav हो गया है। जो कि मेरे सभी दस्तावेज में है। अतः अब मुझे मेरे इसी सही नाम **Gautam Singh Kaurav** से ही जाना पहचाना जाए।

ADDRESS: Belkhedi Salichowka narsinghpur

मीरा एंड्रीवा का कोर्ट पर तूफान!

सबालेंका को 62 मिनट में करारी शिकस्त देकर पहुंची सेमीफाइनल में



इंडियन वेल्स , एजेंसी

रूस की युवा टेनिस सनसनी मीरा एंड्रीवा ने महिला टेनिस में बड़ा उलटफेर करते हुए दुनिया की दिग्गज खिलाड़ी एरिना सबालेंका को करारी शिकस्त दी। एंड्रीवा ने महज 62 मिनट में मुकाबला 6-4, 6-0 से अपने नाम कर पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। इस शानदार जीत के साथ उन्होंने अपनी प्रतिभा और दमदार खेल का लोहा मनवाया। एंड्रीवा ने मुकाबले के आखिरी 11 गेम लगातार जीते और अंतिम 55 में से 45 अंक अपने नाम किए। इस जीत के साथ एंड्रीवा ने एक बड़ी उपलब्धि भी हासिल की। वह 2009 में कैरोलिन वोज्नियाकी के बाद डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई हैं। वर्ष 2003 में मौजूदा राउंड रॉबिन प्रारूप शुरू होने के बाद वह सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पांचवीं किशोर खिलाड़ी हैं। उनसे पहले मारिया शारापोवा, एना इवानोविच, कैरोलिन वोज्नियाकी और कोको गॉफ यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं।

लगातार दो मुकाबलों में बनाया अनोखा रिकॉर्ड- एंड्रीवा ने टूर्नामेंट में एक और ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने अपने शुरुआती मुकाबले में एलिना स्वितोलिना को 6-4, 6-0 से हराया था। इसके बाद सबालेंका के खिलाफ भी दूसरा सेट 6-0 से जीत लिया। इस तरह वह डब्ल्यूटीए फाइनल्स के इतिहास में अपने शुरुआती दोनों मुकाबलों में एक-एक सेट बिना कोई गेम गंवाए जीतने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं।

मुचोवा के खिलाफ तीसरी जीत पर नजर

एंड्रीवा ने वर्ष 2026 में शीर्ष-10 खिलाड़ियों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया है। टूर्नामेंट में आने से पहले उनके नाम एक बड़ी जीत थी, जबकि इस सप्ताह उन्होंने दो और शीर्ष खिलाड़ियों को हराया। अब उनकी नजर कैरोलिना मुचोवा के खिलाफ जीत दर्ज करने पर होगी। दोनों के बीच अब तक टूर स्तर पर एंड्रीवा 1-0 से आगे हैं। इससे पहले वह 2025 में दुबई और इंडियन वेल्स में भी एक ही प्रतियोगिता में कई शीर्ष-10 खिलाड़ियों को हराकर खिताब जीत चुकी हैं।

हार के बावजूद सबालेंका के पास सेमीफाइनल का मौका

दूसरी ओर, हार के बावजूद सबालेंका की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार हैं। शुक्रवार को उनका मुकाबला एलिना स्वितोलिना से होगा। स्वितोलिना ने कैरोलिना मुचोवा को 3-6, 6-2, 6-2 से हराकर वापसी की और अपनी सेमीफाइनल की उम्मीदें जिंदा रखीं। उन्होंने डब्ल्यूटीए फाइनल्स में 2019 के बाद पहली जीत दर्ज की। वहीं, लगातार दो हार के बाद

आईपीएल में खिलाड़ियों की अदला-बदली का बड़ा खेल, सुर्खियों में पंड्या-अर्शदीप

सात दिग्गजों पर लगी करोड़ों की बोली किसी ने छोड़ी मुंबई, किसी ने बदली टीम

नई दिल्ली , एजेंसी

आईपीएल 2027 से पहले खिलाड़ियों की अदला-बदली को लेकर क्रिकेट जगत में चर्चाएं तेज हो गई हैं। मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह का बड़ा ट्रेड सुर्खियों में है। इस सौदे के तहत हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस को छोड़कर पंजाब किंग्स में शामिल होंगे, जबकि अर्शदीप सिंह पंजाब से मुंबई इंडियंस का हिस्सा बनेंगे। दोनों खिलाड़ियों की ट्रेड वैल्यू 18-18 करोड़ रुपये बताई जा रही है। यानी इस अदला-बदली में कुल 36 करोड़ रुपये की खिलाड़ी वैल्यू शामिल है। आईपीएल में खिलाड़ियों की ट्रेडिंग कोई नई बात नहीं है। इससे पहले भी कई बड़े नाम अपनी पुरानी फ्रेंचाइजी छोड़कर दूसरी टीमों में शामिल हो चुके हैं। इन ट्रेड ने न केवल टीमों का संतुलन बदला, बल्कि टूर्नामेंट की रणनीतियों पर भी बड़ा असर डाला। आइए जानते हैं आईपीएल इतिहास के सात चर्चित खिलाड़ी ट्रेड और उनकी खास बातें।

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का नाम आईपीएल के बड़े ट्रेड में शामिल है। आईपीएल 2026 से पहले वह राजस्थान रॉयल्स को छोड़कर चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल हुए थे। उनकी ट्रेड वैल्यू 18 करोड़ रुपये बताई गई थी। संजू की बल्लेबाजी और कप्तानी का अनुभव चेन्नई के लिए अहम माना जा रहा है। उनके आने से टीम को विकेटकीपिंग के साथ मजबूत बल्लेबाजी विकल्प भी मिलता है। हार्दिक पांड्या आईपीएल के सबसे चर्चित ऑलराउंडरों में शामिल हैं। आईपीएल 2027 से पहले मुंबई इंडियंस से पंजाब किंग्स में उनका ट्रेड सुर्खियों में है। उनकी ट्रेड वैल्यू 18 करोड़ रुपये बताई जा रही है। हार्दिक अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी, तेज गेंदबाजी और नेतृत्व क्षमता के लिए जाने जाते हैं। पंजाब किंग्स को उनसे टीम के मध्यक्रम और गेंदबाजी दोनों में मजबूती मिलने की उम्मीद होगी।



अर्शदीप सिंह-पंजाब छोड़ मुंबई में एंट्री

अर्शदीप सिंह भी हार्दिक पांड्या के साथ इस बड़े ट्रेड का हिस्सा बताए जा रहे हैं। पंजाब किंग्स से मुंबई इंडियंस में आने वाले अर्शदीप की ट्रेड वैल्यू भी 18 करोड़ रुपये है। वह नई गेंद से विकेट लेने और डेथ ओवरों में सटीक यॉर्कर डालने के लिए पहचाने जाते हैं। मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी आक्रमण में उनका शामिल होना टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

कैमरन ग्रीन: मुंबई से आरसीबी पहुंचे| ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन का ट्रेड भी आईपीएल के बड़े सौदों में गिना जाता है। आईपीएल 2025 से पहले वह मुंबई इंडियंस से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में शामिल हुए थे। उनकी ट्रेड वैल्यू 17.5 करोड़ रुपये बताई गई थी। ग्रीन अपनी लंबाई, पावर हिटिंग और तेज गेंदबाजी के कारण टीमों के लिए उपयोगी खिलाड़ी माने जाते हैं।

रवींद्र जडेजा: चेन्नई से राजस्थान में वापसी| भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा का नाम भी बड़े ट्रेड की सूची में शामिल है। आईपीएल 2026 से पहले वह चेन्नई सुपर किंग्स से राजस्थान रॉयल्स में शामिल हुए थे। उनकी ट्रेड वैल्यू 14 करोड़ रुपये बताई गई थी। जडेजा बल्लेबाजी, गेंदबाजी और शानदार फील्डिंग के दम पर किसी भी मुकाबले का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं।

ऋषभ पंत: लखनऊ से दिल्ली कैपिटल्स में वापसी

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का ट्रेड भी चर्चा में है। आईपीएल 2027 से पहले वह लखनऊ सुपर जाएंट्स से दिल्ली कैपिटल्स में शामिल हुए। उनकी ट्रेड वैल्यू 15 करोड़ रुपये बताई गई है। पंत दिल्ली की टीम के साथ पहले भी जुड़ चुके हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और मैच जिताने की क्षमता टीम के लिए अहम हो सकती है। इसी 15 करोड़ रुपये की ट्रेड वैल्यू पर हार्दिक पांड्या आईपीएल 2022 से पहले मुंबई इंडियंस छोड़कर गुजरात टाइटंस में गए थे।

कुलदीप यादव: दिल्ली से लखनऊ पहुंचे

भारतीय स्पिन गेंदबाज कुलदीप यादव आईपीएल 2027 से पहले दिल्ली कैपिटल्स से लखनऊ सुपर जाएंट्स में ट्रेड हुए। उनकी ट्रेड वैल्यू 13.5 करोड़ रुपये बताई गई है। कुलदीप अपनी कलाई की स्पिन और बीच के ओवरों में विकेट निकालने की क्षमता के लिए मशहूर हैं। लखनऊ की टीम को उनसे स्पिन विभाग में मजबूती मिलने की उम्मीद होगी।

आईपीएल 2027: अब तक के प्रमुख खिलाड़ी ट्रेड

खिलाड़ी	पुरानी टीम	नई टीम	नई सैलरी
हार्दिक पांड्या	मुंबई इंडियंस	पंजाब किंग्स	18 करोड़
अर्शदीप सिंह	पंजाब किंग्स	मुंबई इंडियंस	18 करोड़
लियाम लिविंगस्टोन	सनराइजर्स हैदराबाद	चेन्नई सुपर किंग्स	6 करोड़
जैक एडवर्ड्स	सनराइजर्स हैदराबाद	चेन्नई सुपर किंग्स	3 करोड़
खलील अहमद	चेन्नई सुपर किंग्स	सनराइजर्स हैदराबाद	4.8 करोड़
नाथन एलिस	चेन्नई सुपर किंग्स	सनराइजर्स हैदराबाद	2 करोड़
टी. नटराजन	दिल्ली कैपिटल्स	सनराइजर्स हैदराबाद	5 करोड़
जीशान अंसारी	सनराइजर्स हैदराबाद	दिल्ली कैपिटल्स	40 लाख
ऋषभ पंत	लखनऊ सुपर जाएंट्स	दिल्ली कैपिटल्स	15 करोड़
कुलदीप यादव	दिल्ली कैपिटल्स	लखनऊ सुपर जाएंट्स	13.5 करोड़

आकाश चोपड़ा ने खोल दी टीम की सबसे बड़ी कमजोरी!

दिल्ली कैपिटल्स में किसे मिलेगी कप्तानी? ऋषभ पंत-केएल राहुल के बीच फंसा पेंच

नई दिल्ली , एजेंसी

आईपीएल के आगामी सीजन से पहले दिल्ली कैपिटल्स की टीम कई बड़े सवालों से घिरी नजर आ रही है। लखनऊ सुपर जायंट्स से ऋषभ पंत को ट्रेड करने के बाद फ्रेंचाइजी की कप्तानी और टीम संयोजन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने दिल्ली की रणनीति पर सवाल उठाते हुए कहा है कि टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती कप्तानी का सही विकल्प चुनना और तेज गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत बनाए रखना होगा।

आकाश चोपड़ा के मुताबिक, दिल्ली के पास बल्लेबाजी में कई अच्छे विकल्प मौजूद हैं, लेकिन कप्तानी को लेकर तस्वीर अभी साफ नहीं है। उन्होंने केएल राहुल को कप्तानी का मजबूत दावेदार बताया है। वहीं



ऋषभ पंत और अक्षर पटेल के नाम भी चर्चा में हैं।जियोस्टार से बातचीत में आकाश चोपड़ा ने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स के सामने कप्तान चुनने का सवाल किसी बहुविकल्पीय प्रश्न जैसा हो गया है। ऋषभ पंत पहले कप्तानी कर चुके हैं और केएल राहुल भी इस जिम्मेदारी के लिए उपयुक्त विकल्प हैं। वहीं अक्षर पटेल के कप्तानी में दिलचस्पी नहीं लेने की चर्चा है। चोपड़ा ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए केएल राहुल को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

पंत को टॉप-4 में खिलाने की दी सलाह

आकाश चोपड़ा ने ऋषभ पंत की बल्लेबाजी पोजीशन को भी बेहद अहम बताया। उनका मानना है कि दिल्ली ने पंत को अपनी टीम में शामिल किया है तो उन्हें बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष चार में मौका देना चाहिए। इससे उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का बेहतर इस्तेमाल किया जा सकेगा। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि पंत को निचले क्रम में ही बल्लेबाजी करानी है तो उन्हें टीम में वापस लाने का क्या फायदा है। चोपड़ा के अनुसार, पंत को टॉप-4 में खेलने का मौका मिलना चाहिए, तभी दिल्ली इस ट्रेड का पूरा लाभ उठा पाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस ट्रेड से लखनऊ सुपर जायंट्स को ज्यादा फायदा हुआ हो सकता है,

शमी को बैठाकर खेले सिराज, अब खुद टीम में जगह के लिए परेशान!

नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के लिए पिछले कुछ सालों में क्रिकेट की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। एक समय ऐसा था, जब वह भारतीय टीम के सबसे भरोसेमंद तेज गेंदबाजों में गिने जाते थे। वर्ष 2023 के एकदिवसीय विश्व कप में उनके शानदार प्रदर्शन के कारण मोहम्मद शमी जैसे अनुभवी गेंदबाज को शुरुआती मुकाबलों में बाहर बैठना पड़ा था। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के शुरुआती तीन मुकाबलों में सिराज को अंतिम एकादश में जगह तक नहीं मिली। ऐसे में सवाल उठने लगे हैं कि क्या भारतीय टीम में उनका दबदबा खत्म हो रहा है?



मोहम्मद सिराज के एकदिवसीय करियर का सबसे शानदार दौर वर्ष 2019 से 2023 के बीच रहा। इस दौरान उन्होंने अपनी तेज रफ्तार, सटीक गेंदबाजी और नई गेंद से विकेट लेने की क्षमता से सबको प्रभावित किया। वर्ष 2019 और 2023 के विश्व कप के बीच कम से कम 20 एकदिवसीय मुकाबले खेलने वाले तेज गेंदबाजों में सिराज का औसत 18.61 रहा, जो सबसे बेहतरीन था।

वर्ष 2023 के विश्व कप में भी वह भारतीय टीम की पहली पसंद थे। शुरुआती चार मुकाबलों में उन्हें खेलने का मौका मिला, जबकि मोहम्मद शमी बाहर बैठे रहे। हालांकि, हार्दिक पंड्या के चोटिल होने के बाद टीम का संयोजन बदला और शमी को मौका मिला। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच विकेट लेकर अपनी ताकत दिखाई। इसके बाद उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 24 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

पिता के नक्शेकदम पर नहीं चलीं दीपिका

16 की उम्र में देख लिया था अभिनेत्री बनने का सपना



मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण आज हिंदी सिनेमा की सफल और लोकप्रिय अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने अपने अभिनय और मेहनत के दम पर फिल्म जगत में अलग पहचान बनाई है। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि उन्होंने महज 16 साल की उम्र में ही अभिनेत्री बनने का फैसला कर लिया था। अपने इस सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने मां से 10 हजार रुपये उधार भी लिए थे। दीपिका ने हाल ही में अपने शुरुआती संघर्ष और अभिनय के प्रति लगाव से जुड़ी कई दिलचस्प बातें साझा कीं। दीपिका के पिता प्रकाश पादुकोण देश के दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। एक बातचीत के दौरान दीपिका ने बताया कि उनके पिता ने उस दौर में बैडमिंटन खेला, जब देश में इस खेल को पेशे के रूप में अपनाने वाले बहुत कम लोग थे। उस समय ज्यादातर परिवार अपने बच्चों को डॉक्टर या वकील बनाना चाहते थे, लेकिन उनके पिता ने खेल की दुनिया में अपनी पहचान बनाई। जब दीपिका से पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी अपने पिता की तरह बैडमिंटन खिलाड़ी बनने के बारे में सोचा था, तो उन्होंने कहा कि ऐसा करके वह अपने पिता को खुश कर सकती थीं।

शाहरुख के साथ की थी शुरुआत

दीपिका ने वर्ष 2007 में शाहरुख खान के साथ फिल्म ओम शांति ओम से बॉलीवुड में कदम रखा था। पहली ही फिल्म से उन्हें जबरदस्त लोकप्रियता मिली। इसके बाद उन्होंने चेन्नई एक्सप्रेस, ये जवानी है दीवानी, पीकू, बाजीराव मस्तानी, पद्मावत, छपाक, पठान, जवान और कल्कि 2898 एडी जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया। दीपिका ने हॉलीवुड में भी अपनी पहचान बनाई। फिल्म ट्रिपल एक्स : द रिटर्न ऑफ जेंडर केज में वह विन डीजल के साथ नजर आई थीं।

मां से उधार लिए थे 10 हजार रुपये| दीपिका ने अपने शुरुआती दिनों का एक दिलचस्प किस्सा भी सुनाया। उन्होंने बताया कि अभिनय की दुनिया में कदम रखने के लिए उन्हें अपना पहला परिचय चित्र बनवाना था। इसके लिए उन्होंने अपनी मां से 10 हजार रुपये उधार मांगे थे। दीपिका के मुताबिक, उन्होंने मां से कहा था कि उन्हें परिचय चित्र बनवाने के लिए पैसों की जरूरत है। उन्होंने भरोसा दिलाया था कि एक दिन वह अपने माता-पिता को गर्व महसूस कराएंगी और उनके पैसे भी लौटा देंगी।

शादी के बाद शाल्मली को सुनने पड़े ताने, पति फरहान शेख से विवाह पर बोलीं- मुश्किल दौर से गुजरी हूं

नई दिल्ली। मशहूर गायिका शाल्मली खोलगड़े अपनी सुरीली आवाज और शानदार गानों के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने परेशान, बलम पिचकारी और शनिवार राती जैसे कई लोकप्रिय गानों को अपनी आवाज दी है। हालांकि, उनकी निजी जिंदगी भी काफी चर्चा में रही है। नवंबर 2021 में शाल्मली ने संगीत जगत से जुड़े फरहान शेख के साथ शादी की थी। दोनों का विवाह अलग-अलग धर्मों से होने के कारण उन्हें सामाजिक आलोचना और लोगों की नाराजगी का सामना करना पड़ा। अब गायिका ने इस पूरे मामले पर खुलकर अपनी बात रखी है। एक बातचीत के दौरान शाल्मली ने बताया कि फरहान शेख के साथ अलग-अलग धर्मों में विवाह करने के फैसले के बाद उन्हें काफी विरोध झेलना पड़ा था। कई लोगों ने उन्हें निशाना बनाया और उनकी शादी को लेकर तरह-तरह की बातें कहीं। गायिका के मुताबिक, शादी के बाद उन्हें लगातार ऐसी टिप्पणियां सुननी पड़ीं। उन्होंने बताया कि उनकी शादी के समय लव जिहाद को लेकर भी काफी बातें कही गई थीं। लोगों की नकारात्मक टिप्पणियों का उनके निजी जीवन पर असर पड़ा था। यह उनके लिए काफी मुश्किल समय था।

शाल्मली ने कहा कि पिछले करीब पांच वर्षों से वह लोगों की टिप्पणियां सुन



रही हैं। शुरुआत में इन बातों ने उन्हें परेशान किया, लेकिन अब वह ऐसी चीजों पर ध्यान नहीं देतीं। उनका कहना है कि समाज में आलोचना करने वाले लोग हमेशा मौजूद रहेंगे। कुछ लोग अपने विचारों के बजाय किसी खास मकसद से भी ऐसी बातें फैलाते हैं। उन्होंने साफ कहा कि वह डर के माहौल में जिंदगी नहीं जीतीं और खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें डरकर रहने की जरूरत महसूस नहीं हुई। बातचीत के दौरान शाल्मली ने अपने धर्म और परिवार की परंपराओं पर भी विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि उनका जन्म हिंदू परिवार में हुआ है और वह हिंदू धर्म में विश्वास रखती हैं। हालांकि, वह धार्मिक परंपराओं का बहुत अधिक पालन नहीं करतीं।



मेट्रो बाजार

किआ इंडिया आंध्र प्रदेश में 2 अरब डॉलर करेगी निवेश; करीब 12 हजार नई नौकरियों के मिलेंगे अवसर

विशाखापत्तनम । किआ इंडिया 2 अरब डॉलर के निवेश से आंध्र प्रदेश में नया मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करेगी। इससे देश में करीब 12,000 नई नौकरियों के अवसर पैदा होंगे। यह बयान गुरुवार को किआ इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ग्वांगगु ली ने दिया। यहां सीआईआई पार्टनरशिप समिट में बोलते हुए, ली ने कहा, ÷मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि आंध्र प्रदेश में एक और मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाकर किआ अपनी मौजूदगी का विस्तार कर रही है। इस प्रोजेक्ट से करीब 12,000 नई नौकरियों के पैदा होने की उम्मीद है। साथ ही, इससे भारत में किआ इंडिया की सालाना उत्पादन क्षमता बढ़कर 6,30,000 यूनिट्स हो जाएगी। किया इंडिया के पास राज्य के अनंतपुर में पहले से ही एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट है, जिसे 2017 में स्थापित किया गया था। इसकी सालाना मैन्युफैक्चरिंग क्षमता 4.30 लाख यूनिट्स है। हालांकि, ली ने इस निवेश के लिए कोई समय-सीमा नहीं बताई और न ही यह स्पष्ट किया कि अतिरिक्त क्षमता पर कब से काम शुरू होगा। वित्त वर्ष 2026 में, किआ इंडिया ने 3.17 लाख यूनिट्स का उत्पादन किया, जिसमें से 2.89 लाख यूनिट्स घरेलू बाजार में भेजे गए और 27,953 यूनिट्स का निर्यात किया गया। यह घोषणा भारत में किआ के मैन्युफैक्चरिंग विस्तार को दर्शाती है और देश के ऑटोमोबाइल इकोसिस्टम में आंध्र प्रदेश के बढ़ते महत्व को भी दिखाती है।

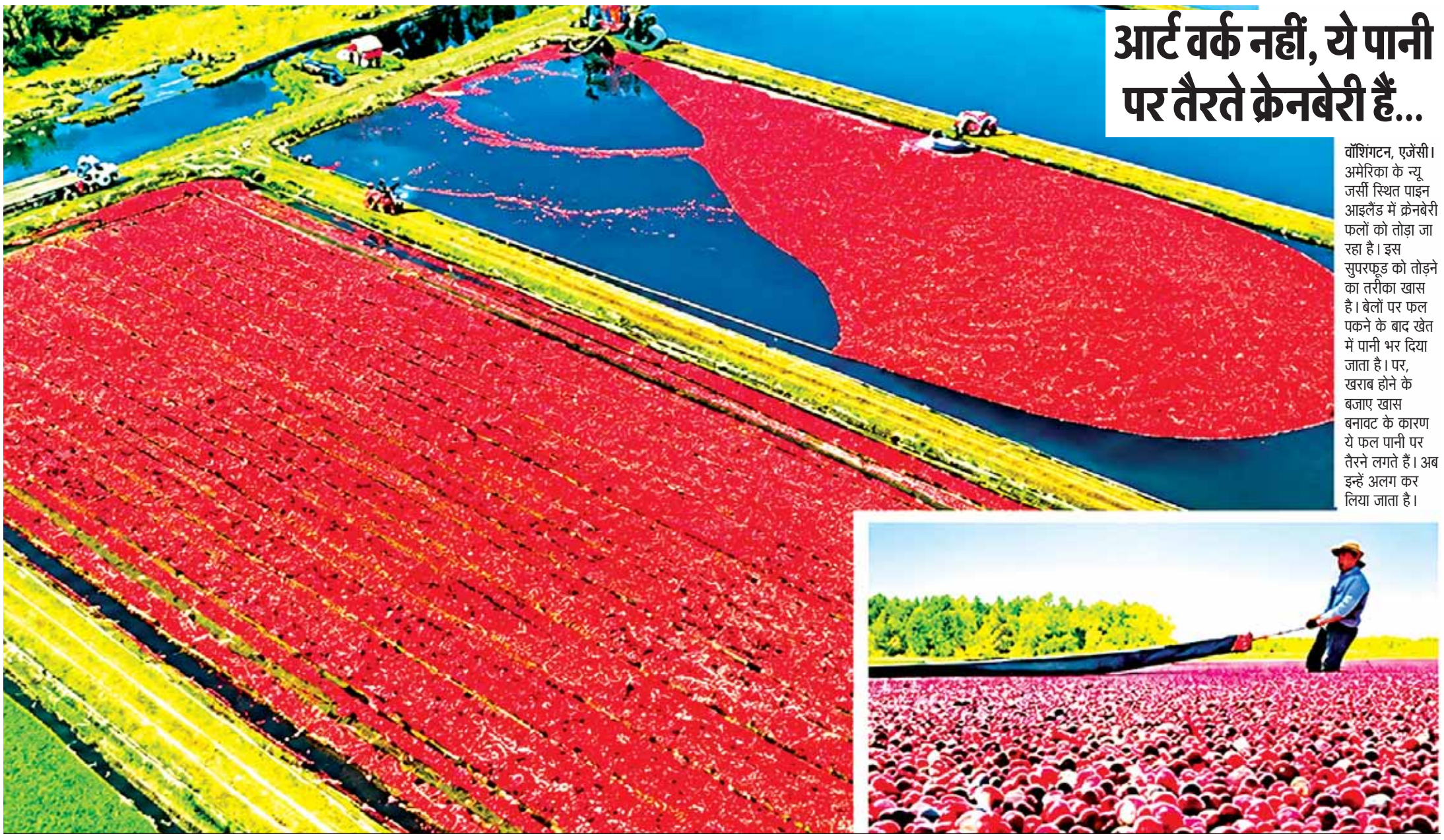
वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निवेश के लिए भारत एक सुरक्षित गंतव्य: पीयूष गोयल

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को वैश्विक कंपनियों से भारत में निवेश करने की अपील करते हुए कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था में विनिर्माण और प्रौद्योगिकी से जुड़ी गतिविधियां स्थापित करें। विशाखापत्तनम में आयोजित सीआईआई पार्टनरशिप समिट 2026 को संबोधित करते हुए मंत्री ने निवेशकों से अपनी अगली फैक्ट्री, डिजाइन सेंटर और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) के लिए ÷भारत को अपना ठिकाना बनाएं÷ का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने उद्योगों से गुणवत्ता और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करने को कहा।



गोयल ने कहा, ÷फैक्ट्रियों, होटलों और डेटा सेंटर में निवेश करें, क्योंकि भारत एक सुरक्षित निवेश गंतव्य है।÷ केंद्रीय मंत्री ने भारत के व्यापारिक साझेदारों से भी देश में अपनी उपस्थिति बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के अवसर उपलब्ध हैं। गोयल ने कहा कि भारत की ताकत उसकी प्रतिभाशाली मानव संसाधन क्षमता, उद्यमियों, विनिर्माण क्षमताओं और तेजी से बढ़ते स्टार्टअप इकोसिस्टम में निहित है। उनके अनुसार, ये कारक भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था के भविष्य को आकार देने में मदद करने की स्थिति में रखते हैं। उन्होंने कहा, ÷दुनियाभर में भारतीय प्रतिभाओं की सफलता केवल किसी व्यक्ति की उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत के विकास, समृद्धि और प्रगति का अवसर है।÷ उन्होंने कहा, ÷जब भारत आगे बढ़ता है, तो दुनिया के सामने नई संभावनाएं खुलती हैं।÷ इसी कार्यक्रम में उन्होंने आगे कहा कि भारत बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) का सम्मान करता है और किसी की तकनीक चोरी नहीं करता। इस तरह उन्होंने प्रौद्योगिकी सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच भारत को एक भरोसेमंद निवेश गंतव्य के रूप में पेश किया।

आर्ट वर्क नहीं, ये पानी पर तैरते क्रेनबेरी हैं...



वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के न्यू जर्सी स्थित पाइन आइलैंड में क्रेनबेरी फलों को तोड़ा जा रहा है। इस सुपरफूड को तोड़ने का तरीका खास है। बेलों पर फल पकने के बाद खेत में पानी भर दिया जाता है। पर, खराब होने के बजाए खास बनावट के कारण ये फल पानी पर तैरने लगते हैं। अब इन्हें अलग कर लिया जाता है।

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल में बर्फबारी; राजस्थान में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट

दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर, एक्यूआई 478 तक पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली-एनसीआर में ठंड के साथ प्रदूषण भी बढ़ रहा है। दिल्ली शुक्रवार को पाकिस्तान के लाहौर को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बन गया। स्विस संस्था आईक्यू एयर के मुताबिक, दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 334 दर्ज किया गया, जो खतरनाक श्रेणी में आता है। भारत के केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने दिल्ली का एक्यूआई 403 दर्ज किया। दिल्ली यूनिर्सिटी के आसपास एक्यूआई 478 और आईटीओ इलाके में 455 दर्ज किया गया है। इधर, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी जारी है। इसके असर से मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में रात के न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है और सुबह धुंध छाने लगी है।

देश के 18 शहरों में हवा बहुत खराब, इनमें 9 हरियाणा के

देश के 18 शहरों में औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 301 से 400 के बीच दर्ज किया गया। इनमें हरियाणा के 9, उत्तर प्रदेश के 5, राजस्थान, पंजाब, तमिलनाडु का 1-1 और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली शामिल है। गुरुग्राम का पंचगांव सबसे प्रदूषित रहा। वहीं, 50 शहरों में एक्यूआई 201 से 300 के बीच 'खराब' श्रेणी में रहा। पंचकूला में एक्यूआई सबसे कम 79 रहा। दिल्ली-एनसीआर में जमीन से आसमान में करीब 1000 मीटर तक प्रदूषण की परत बनी हुई है। हरियाणा में 23 शहरों में हवा का स्तर 'बहुत खराब' या 'खराब' रहा।



छत्तीसगढ़ में 5 दिन मौसम ड्राई, ठंड धीरे-धीरे बढ़ेगी

छत्तीसगढ़ में मौसम फिलहाल ड्राई बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 5 दिनों तक न्यूनतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। हालांकि, प्रदेश में ठंड का असर धीरे-धीरे बढ़ रहा है। रायपुर में सुबह और रात के समय ठंड महसूस होने लगी है। गुरुवार को अंबिकापुर प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि दुर्ग में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री रहा। मौसम विभाग ने अगले 2 दिनों तक भी प्रदेश में मौसम शुष्क रहने का अनुमान जताया है।

मप्र में कटनी का करौंदी सबसे ठंडा, 10.6 डिग्री से नीचे तापमान

पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर अब मध्य प्रदेश में भी साफ दिखने लगा है। प्रदेश में रात के न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है और सुबह धुंध छाने लगी है। बीती रात राज्य के 20 शहरों में पारा 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे लुढ़क गया। मौसम केंद्र के आंकड़ों के मुताबिक, कटनी का करौंदी 10.6 डिग्री तापमान के साथ प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा। चौंकाने वाली बात यह है कि प्रदेश के एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी (12.6 डिग्री) से ज्यादा ठंड इंदौर (11.1डिग्री) और भोपाल (12.2डिग्री) में दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी के साथ-साथ 14-15 नवंबर को राजस्थान के बीकानेर संभाग में पश्चिमी विक्षोभ के असर से बारिश हो सकती है। इससे मध्य प्रदेश में उत्तरी हवाओं का असर बढ़ेगा और 5 दिनों में न्यूनतम तापमान 1 से 2 डिग्री तक और गिर सकता है।

'हंगामा क्यों है बरपा...', पीएम मोदी को 'गुजराती साथी' बताने को लेकर बोले सैम पित्रोदा

नई दिल्ली, एजेंसी। ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना गुजराती साथी बताया तो पीएम मोदी ने भी उन्हें दीपावली और गुजरात नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। इसको लेकर राजनीतिक बहस छिड़ गई है।

अब पित्रोदा ने एक बार फिर से कहा है कि गुजराती साथी होने के नाते वह पीएम मोदी का सम्मान करते हैं। उनके बीच जो मतभेद हैं वह राजनीतिक हैं न कि व्यक्तिगत। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक,



उन्होंने कहा, 'मैं नरेंद्र भाई को लंबे समय से जानता हूं, उनके प्रधानमंत्री बनने से भी पहले से। मैं तो उनके घर भी गया हूं। हम दोनों गुजराती हैं तो हमारा एक खास जुड़ाव है।'

पित्रोदा ने किया सवाल

इस पूरे मामले पर पित्रोदा ने सवाल करते हुए कहा, शुभकामनाओं के आदान-प्रदान पर इतना हंगामा क्यों हो रहा है? उन्होंने कहा, 'व्यक्तिगत स्तर पर वे मेरे दोस्त और शुभचिंतक हैं, भले ही हमारी विचारधाराएं और राजनीति अलग-अलग हों। आज भी अगर हमारी मुलाकात हो तो मैं खुशी-खुशी उनसे बातचीत करूंगा और हंसूंगा-बोलूंगा। किसी ने मुझे उनकी पोस्ट के बारे में बताया। मैंने भी उन्हें शुभकामनाएं भेजीं और उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। मेरा कोई दुश्मन नहीं है। मैं सबका सम्मान करता हूं। मैं गांधीवादी हूं। वे कड़ी मेहनत करते हैं और एक अच्छे वक्ता हैं तो फिर इस बात पर इतना हंगामा क्यों?' उन्होंने कांग्रेस नेता हुसैन दलवई के उस सुझाव को भी सिरे से खारिज कर दिया।

महाकाल की भस्म आरती में शामिल हुए क्रिकेटर सुरेश रैना

- नंदी हॉल में 2 घंटे बैठकर किया शिव मंत्र का जाप, देहरी से किया बाबा का पूजन



उज्जैन, दोपहर मेट्रो। भारतीय क्रिकेटर रहे सुरेश रैना आज तड़के उज्जैन पहुंचे। उन्होंने श्री महाकालेश्वर मंदिर में सुबह होने वाली भस्म आरती में शामिल होकर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। रैना तड़के करीब 4 बजे मंदिर पहुंचे और लगभग दो घंटे नंदी हाल में बैठकर भगवान महाकाल का जाप करते रहे। भस्म आरती के बाद रैना ने देहरी से भगवान महाकाल का पूजन किया। उन्होंने नंदी जी का पूजन कर जल अर्पित किया और विधि-विधान से भगवान का आशीर्वाद लिया। रैना ने कहा कि बाबा महाकाल के दर्शन कर उन्हें दिव्य अनुभूति हुई। यहां की ऊर्जा आज अलग ही स्तर की थी। यह उनके लिए दिव्य अनुभव है।

बिहार: मैथिली ठाकुर के जमीन विवाद में प्रशासन का एक्शन

पक्की सड़क और अतिक्रमण कर बनाया गया डिवाइडर तुड़वाया

दरभंगा। दरभंगा जिले के अलीनगर से भाजपा विधायक मैथिली ठाकुर और उनके पिता रमेश ठाकुर से जुड़े जमीन विवाद में जिला प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। ग्रामीणों की शिकायत के बाद गुरुवार को प्रशासनिक अधिकारियों की टीम तारडीह प्रखंड के पोखरभिंडा गांव पहुंची। यहां डीसीएलआर अजय कुमार और अंचलाधिकारी आलोक कुमार की मौजूदगी में जमीन की मापी कराई गई। इस दौरान सरकारी रास्ते पर अतिक्रमण पाए जाने पर प्रशासन ने उसे खाली करवाया। साथ ही अतिक्रमण कर बनाए गए निर्माण, डिवाइडर और सड़क पर बिछाई गई ईंटों को भी तुड़वा दिया गया। इस पूरे मामले में ग्रामीणों ने तारडीह के अंचलाधिकारी को आवेदन देकर विधायक मैथिली ठाकुर के पिता रमेश ठाकुर पर सरकारी सड़क, निजी जमीन, ग्राम देवता तिवारी बाबा स्थान, राधाकृष्ण मंदिर, सामूहिक श्राद्धस्थल और नाले की जमीन पर अतिक्रमण करने का आरोप लगाया था।



50 तोला सोना, कैश और करोड़ों की संपत्ति...

तेलंगाना में सरकारी इंजीनियर के ठिकानों पर ACB की छापामारी

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में एंटी-करप्शन ब्यूरो (ACB) ने सिंचाई विभाग के एक इंजीनियर पर सख्त कार्रवाई की है। एसीबी ने छापामारी के बाद उस सिंचाई विभाग के इंजीनियर को गिरफ्तार कर लिया है। इस इंजीनियर पर आय से अधिक संपत्ति रखने का आरोप है। छापेमारी में करीब 25 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति का पता चला है। काली कमाई से अर्जित धन में आलीशान विला, कृषि भूमि, कई प्लॉट, सोना और अन्य निवेश शामिल हैं।



एसीबी ने की कार्रवाई: एसीबी की सेंट्रल इन्वेस्टिगेशन यूनिट ने 'प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट' के तहत नगरकुर्नूल जिले के सिंचाई और कमांड एरिया डेवलपमेंट विभाग में डिप्टी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, आर. सत्यनारायण (44) के

इन जगहों पर मारा गया छापा

इन छापों में करमनघाट स्थित सत्यनारायण का घर, नगरकुर्नूल में उनका ऑफिस, और हैदराबाद, वानपर्थी तथा नगरकुर्नूल में उनके रिश्तेदारों, परिवार के सदस्यों और कथित 'बेनामी' (दूसरों के नाम पर रखी गई) संपत्तियां शामिल थीं। जब छापेमारी शुरू हुई, तब सत्यनारायण वानपर्थी जिले के घनपुर मंडल में अपने पैतृक गांव शापुर में थे। बाद में, कार्रवाई के दौरान ACB की टीम उन्हें करमनघाट स्थित उनके घर ले आई।

खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया है। गुरुवार को ACB ने एक साथ 10 जगहों पर छापामारी की।

मेट्रो एंकर हेगसेथ ने खुद सम्मानित किया; युद्ध स्मारक पर रक्षामंत्री की टीम को चुप रहने कहा था

अमेरिकी रक्षामंत्री को डांटने वाले सैनिक को मेडल

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को डांटने वाले सैनिक को खुद उन्होंने मेडल देकर सम्मानित किया है। सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने 11 नवंबर को वेटरन्स डे के मौके पर युद्ध स्मारक के पास हेगसेथ और उनकी टीम को चुप रहने की हिदायत दी थी।

उस समय टीम के कुछ लोग आपस में बात कर रहे थे और हंस रहे थे। गुरुवार को पेंटागन में हेगसेथ ने इग्लेसियस को जॉइंट सर्विस कमेंडेशन मेडल दिया। हेगसेथ ने सम्मान समारोह की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। उन्होंने लिखा, 'हम अपने सैनिकों से प्यार करते हैं। हमें अनुशासन और तय मानकों पर गर्व है। शाबाश स्पेशलिस्ट, अपना काम जारी रखो।'

वेटरन्स डे के कार्यक्रम के बाद हुआ था पूरा मामला

यह घटना बुधवार को अमेरिका के सालाना वेटरन्स डे के मौके पर हुई थी। इस दिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ अर्लिंगटन नेशनल कब्रिस्तान पहुंचे थे। यहां शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के बाद हेगसेथ अपनी पत्नी जेनिफर औरतीन सलाहकार रिकी बुरिया, टैमी राडाबॉ और पैट्रिक वीवर के साथ अज्ञात सैनिक की समाधि (टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर) के सामने तस्वीरें खिंचवा रहे थे। इसी दौरान समूह में से किसी के हंसने की आवाज आई। कुछ लोग आपस में बात भी कर रहे थे। वहां ड्यूटी पर तैनात सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने उन्हें तुरंत टोका। उन्होंने आवाज लगाकर कहा, 'सभी लोग हर समय शांति और सम्मान बनाए रखें।' इस घटना का वीडियो भी सामने आया था।



स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524